

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार, 03 नवंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 224, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को मिली मंजूरी

दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे:अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दूसरे साल परमिशन दी

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।

ग्रीन पटाखे जलने से कम धुआं निकलता है

ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं

30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे। साथ ही चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। बेंच ने कहा था कि बीच का रास्ता निकालना जरूरी है।



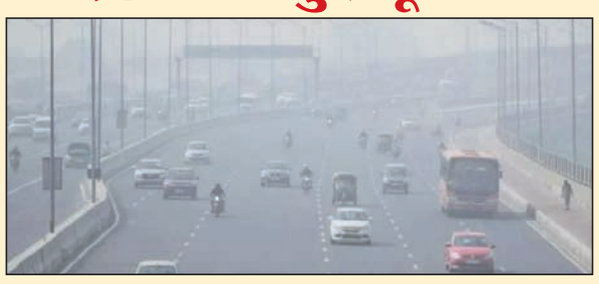
पटाखों पर सुप्रीम निर्देश



- दिल्ली-एनसीआर में 7-8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति।
- पटाखे केवल सुबह 6 बजे और रात 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे।
- अस्पतालों, वृद्धाश्रमों जैसी जगहों के 300 मीटर के दायरे पर रोक।
- शैक्षणिक संस्थान भी नो-क्रैकर जोन घोषित।

कोर्ट में बताया- देश में वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें

कोर्ट ने कहा कि विराट कोहली जैसी मशहूर शख्सियतों की मदद से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि मशहूर हस्तियों से ऐसे वीडियो या मैसेज रिकॉर्ड कराए जा सकते हैं, जिनमें वे लोगों से प्रदूषण बढ़ाए बिना दिवाली मनाने की अपील करें। मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-ठउफ में पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था। उन्होंने



स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है। इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21% मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

पटाखों के धुएं का शरीर पर क्या असर पड़ता है?

पटाखों से होने वाले नुकसान को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि उन्हें जलाने पर क्या होता है। पटाखे जलाने से हवा में बड़ी मात्रा में कणीय पदार्थ (पीएम) निकलते हैं। इनमें पीएम 10 और पीएम 2.5 शामिल हैं। ये हवा में मौजूद ठोस कणों और तरल बूंदों का मिश्रण होते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि नाक और फेफड़ों में आसानी से पहुंच जाते हैं। फेफड़ों से ये खून में मिल जाते हैं।

सके बाद शरीर के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच जाते हैं। यहां तक कि ये इंसानी दिमाग में भी पाए जाते हैं। ये शरीर की सभी झिल्लियों को पार कर सकते हैं।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज, याचिकाकर्ता से कहा- फ्लाइट से यात्रा मत करिए, आगे बढ़िए

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।' जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा जरूरी सेवा है और किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों पर सुनवाई नहीं की और याचिका खारिज कर दी। भारत में हर साल करीब 24 करोड़ हवाई यात्राएं होती हैं। नागर विमानन मंत्रालय और डीजीसीए के 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, इनमें 16.55 करोड़ घरेलू और 7.39 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री यात्राएं शामिल हैं।



सुप्रीम कोर्ट का सजा पर रोक लगाने की सुकेश चंद्रशेखर की अर्जी पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ठग सुकेश चंद्रशेखर की उस अर्जी पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें उसने एक आपराधिक मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी.तीस हजारी कोर्ट ने 29 अगस्त को सुकेश को भारतीय दंड संहिता की धारा 170, 189 एवं 507 के तहत दोषी करार दिया था। सुकेश पर आरोप था कि उसने न्यायिक हिरासत में रहते हुए कांस्टेबल मनजीत के मोबाइल फोन तक पहुंच हासिल की। कांस्टेबल मनजीत के मोबाइल फोन से उसने भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई कर रहे स्पेशल जज के आधिकारिक लैंडलाइन नंबर पर संपर्क किया। न्यायालय ने कांस्टेबल मनजीत की भूमिका की दोबारा जांच करने का भी निर्देश दिया था। तीस हजारी कोर्ट ने कहा था कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि सुकेश मनजीत के फोन तक कैसे पहुंचा और इस पूरी साजिश में कांस्टेबल मनजीत की क्या भूमिका थी।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।



- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735



4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735





संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.



राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

जल निगम, सिंचाई विभाग एवं नलकूप विभाग के कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

आगामी 3 दिवस में अवशेष सड़को का मरम्मत कार्य पूर्ण कराने के निर्देश

स्वाती मिश्रा

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में जल निगम, नलकूप एवं सिंचाई विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के अंतर्गत ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य, पाइप लाइन बिछाने का कार्य, गृह संयोजन एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क के मरम्मत कार्य की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता, जल निगम तथा फर्म जे.एम.सी. एवं बाबा जी.ए.इन्फ्रा. को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माह अगस्त, 2026 तक पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को हैण्डओवर कर दिया जाए।



उन्होंने पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क की मरम्मत कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए आगामी 03 दिवस में अवशेष सड़को का मरम्मत कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिशासी अभियंता, जल निगम ने बताया कि भूमि विवाद के कारण 02 परियोजनाओं में कार्य नहीं हो पा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि उप जिलाधिकारी, सिराथू से समन्वय कर भूमि विवाद का निस्तारण कराकर कार्य में प्रगति सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, सिंचाई से कहा कि नहरों की साफ-सफाई कार्य नियमानुसार एवं व्यवस्थित तरीके से कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को नहरों की साफ-सफाई के कार्य का सत्यापन खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से कराने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने अधिशासी अभियंता, नलकूप को यान्त्रिक/विद्युत दोष के कारण बन्द नलकूपों को शीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डीएम ने सोशल सेक्टर विभागों की समीक्षा कर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के दिए निर्देश

नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में सोशल सेक्टर विभागों की योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि आवश्यक कार्यवाही करते हुए अवशेष डाटा फारवर्ड का कार्य शीघ्र करा लिया जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन के अन्तर्गत सभी पात्रों को लाभान्वित किया जाए तथा लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर दिया जाए। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी से कहा कि कन्या सुमगंला योजना के अन्तर्गत सभी आवेदनों का सत्यापन कराकर पात्रों को लाभान्वित किया जाए।

डीएम ने की रामवन गमन मार्ग एवं प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में निमार्णाधीन रामवन गमन मार्ग एवं प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, लो.नि.वि. निर्माण खण्ड दयाशंकर से कहा कि भूमि से सम्बन्धित समस्याओं को निस्तारित कराते हुए निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराई जाए। जिलाधिकारी ने रामवन गमन मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि कुम्हियावा एवं हिनौता बाजार मार्ग का मरम्मत एवं जल-जमाव की समस्या के समाधान के लिए टेण्डर कार्य प्रक्रिया में है।

जिलाधिकारी ने की जिला पोषण समिति की बैठक

जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुई

कौशांबी। जिलाधिकारी ने पोषाहार वितरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सी.डी.पी.ओ. से कहा कि लाभार्थियों को समय से पोषाहार का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सी.डी.पी.ओ. एवं सुपरवाइजर से सैम बच्चों की संख्या, आगनबाड़ी केन्द्र की संख्या एवं आगनबाड़ी केन्द्र प्रतिदिन खुलने की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सैम बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सभी आगनबाड़ी केन्द्र प्रतिदिन समय से अवश्य खुलें। उन्होंने कहा कि सैम बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराई जाए तथा प्रधानमंत्री मात्र वंदन योजना के अन्तर्गत लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर दिया जाए। उन्होंने निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बच्चों के पुनर्वास और संरक्षण के मामलों का समय से करें निस्तारण : डीएम

बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए निर्देश, अक्टूबर में 39 मामलों का हुआ निस्तारण

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में सोमवार को सम्राट उदयन सभागार कलेक्ट्रेट में बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड की समीक्षा बैठक हुई। इसमें बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास और लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई।



बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि परिवार में पुनर्वासित 23 और विभिन्न संस्थानों में आवासित 32 बच्चों का नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। अक्टूबर 2026 में 39 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जबकि देखरेख एवं संरक्षण से जुड़े 16 नए मामले प्राप्त हुए हैं।

इस पर डीएम ने निर्देश दिया कि संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों और परिवार में पुनर्वासित बच्चों का नियमित फॉलोअप किया जाए। वन स्टॉप सेंटर में आवासित महिलाओं और बालिकाओं की काउंसिलिंग कराते हुए विधिक प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही उनके पुनर्वासन और मामलों का समय से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारी को वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

किशोर न्याय बोर्ड की समीक्षा में सदस्य ने बताया कि अक्टूबर में सात नए मामले प्राप्त हुए हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि बच्चों से जुड़े सभी मामलों का नियमानुसार निर्धारित समय में निस्तारण किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी नीरज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मोर्चे अनेक, लक्ष्य एक, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण : धर्मराज मौर्य

भाजपा जिला कार्यालय में किसान और पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों की हुई बैठक

ब्यूरो चीफ सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में किसान मोर्चा और पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा कि भाजपा के सभी मोर्चों का लक्ष्य विकसित भारत, सशक्त भारत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है।



उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसा राजनीतिक संगठन है, जहां कार्यकताओं के मन में पहले देश, फिर दल और अंत में स्वयं के हित की भावना रहती है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता फिर से कमल खिलाने के संकल्प के साथ जुटा है। संगठन की असली ताकत उसकी विचारधारा, अनुशासन और बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और जनसेवा के संकल्प के साथ काम करने वाला संगठन है। पद से बड़ा दायित्व होता है और प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभानी चाहिए।

पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेश साहू ने पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, समाज के प्रबुद्धजनों से संवाद स्थापित करने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने की अपील की।

बैठक में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीतू कनौजिया, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवमूरत पासी, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, शीलू पांडेय, जिला महामंत्री राकेश पांडेय, ज्योति केसरवानी सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

650 ग्राम गांजा के साथ वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चरवा पुलिस ने 650 ग्राम गांजा के साथ एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं महेवाघाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।



चरवा पुलिस टीम रात में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर बंदरियाबाग तिराहे के पास से अंकुर उर्फ अनुराग केशरवानी निवासी चायल, थाना पिपरी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 650 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में वांछित था। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर एनडीपीएस एक्ट के तहत एक और मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की।

महेवाघाट पुलिस ने वारंटी को पकड़ा

महेवाघाट पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर राम सवारे उर्फ सवारे पुत्र हरिश्चंद्र निवासी नौबस्ता, महेवाघाट को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2015 में दर्ज मुकदमे में वारंट जारी था। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की।

पकड़े जाने के बाद भी टीम से बच निकला विशालकाय अजगर, ग्रामीणों में दहशत



संजीव विश्वकर्मा सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर में विशाल अजगर पकड़ने पहुचीं टीम असफल प्रयास के चलते हताश निराश घटनास्थल पर डेरा डालकर तलाश में लगी हुई है` जानकारी के अनुसार नगीना रोड पर मोहित पेपर मिल के निकट छोईया नदी पर एक विशाल असगर दिखाई दिए जाने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची जिसने अजगर को रेस्क्यू करने के प्रयास शुरू किया` लगभग 15 फीट लंबे व 100 किलो वजनी अजगर को देख वन विभाग के भी पसीने छूट गए उन्होंने उसे भरपूर कब्जे में करने की कोशिश की अधिक वजन होने के कारण पकड़ में आने पर भी असगर फिसल कर नदी में घुस गया इसके बाद वन विभाग की टीम ने काफी तलाश किया घंटो प्रयास के बाद भी अजगर का कोई पता नहीं चला` वन विभाग के बिजनौर रेंजर महेश गौतम ने बताया की बिजनौर में वर्ष 2026 में लगभग 50 असगर का रेस्क्यू किया गया है पर अब तक इतना बड़ा और वजनी असगर नहीं देखा गया असगर की विशालता को देखकर स्पष्ट है कि वह नील गाय तक का शिकार करने में भी समर्थ है` अजगर के नहीं पकड़े जाने पर आसपास के ग्रामीण में दहशत का माहौल है।

साधु के वेश में आए ठगों ने व्यापारी को नशीला पदार्थ सुंघाकर दिन दहाड़े लूटे ढाई लाख रुपये

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर के थाना नगीना मोहल्ला मानकचंद स्थित मीना बाजार में सोमवार पूर्वाह्न साधु के वेश में आए दो शातिर ठगों ने एक कपड़ा व्यापारी को नशीला पदार्थ सुंघाकर करीब ढाई लाख रुपये की नकदी ठग ली। वारदात के बाद आरोपियों के फरार होने से बाजार में हड़कंप मच गया। घटना को लेकर व्यापारियों में रोष और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, मीना बाजार स्थित लिबास सूट कॉर्नर के स्वामी राजेश टंडन (पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश टंडन) सोमवार सुबह करीब 11:15 बजे अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान भगवा रंग के कपड़े पहने दो संदिग्ध व्यक्ति भीख मांगने के बहाने उनकी दुकान पर पहुंचे। दुकानदार ने मानवता दिखाते हुए उन्हें 10 रुपये दे दिए, लेकिन इसके बाद भी दोनों ने संतोष नहीं किया।

एक व्यक्ति ने व्यापारी से अपनी हथेली पर 10 रुपये रखने को कहा। जब दुकानदार ने उन्हें दुकान पर बैठने के लिए कहा तो दोनों ने बातचीत में उलझाकर उनका ध्यान भटकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि इसी दौरान ठगों ने कोई नशीला पदार्थ अथवा सम्मोहन जैसी चीज का इस्तेमाल किया, जिससे दुकानदार सुस्त और गुमसुम हो गया। इसका फायदा उठाकर आरोपियों ने दुकान के गल्ले में रखी कमेटी की नकदी समेत करीब ढाई लाख रुपये निकाल लिए। इसके अलावा व्यापारी की जेब में रखे 15 हजार रुपये भी निकाल लिए गए।

वारदात के दौरान एक आरोपी ने दूसरे से कहा कि महाराज का फोन आ रहा है और दोनों वहां से फरार हो गए। कुछ देर बाद जब दुकानदार को होश आया तो गल्ला खुला देखकर उसके होश उड़ गए। नकदी गायब मिलने पर उन्होंने शोर मचाया। घटना की जानकारी मिलते ही बाजार के व्यापारियों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना पर पुलिस प्रशासन में भी हलचल मच गई। कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पीड़ित व्यापारी से घटना की जानकारी ली।

थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार के अनुसार व्यापारी की तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जायेगी, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखे जा रहे है आरोपी की पहचान कर शीघ्र पकड़े जाऐंगे।

मंझनपुर चौराहे पर एसपी ने की वाहन चेकिंग, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने के साथ निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की दी हिदायत

स्वाती मिश्रा

कौशाम्बी। यातायात माह के तहत सोमवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने पुलिस बल के साथ मंझनपुर चौराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया और सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की।



एसपी ने वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी की गई।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज - 6.0 के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया । सोमवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति फेज - 6.0 अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

यातायात माह के तहत पुलिस ने गिनाए नियम, हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग पर दिया जोर

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। यातायात माह के तहत सोमवार को जयरामनगर स्थित सुंदर सिंह इंटर कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी गई।



यातायात प्रभारी केसरी यादव ने विद्यार्थियों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। इस दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई और जागरूकता सामग्री भी वितरित की गई।

कार्यक्रम क्षेत्राधिकारी यातायात बृजमोहन राय के पर्यवेक्षण में आयोजित हुआ। यातायात पुलिस ने आमजन से नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातायात में सहयोग करने की अपील की।

गरीबों के मददगार, अपराधियों पर सख्त रहे उपनिरीक्षक अंबुज मुखिया, कार्यशैली की क्षेत्र में चर्चा

नवाबगंज में तैनाती के दौरान बनाई अलग पहचान, हंडिया से लाइन हाजिर होने के बाद अब तक नहीं मिली नई तैनाती

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस विभाग में कुछ अधिकारी अपनी कार्यशैली और व्यवहार से आमजन के बीच अलग पहचान बना लेते हैं। ऐसे ही उपनिरीक्षक अंबुज मुखिया नवाबगंज थाने में तैनाती के दौरान अपनी कार्यशैली को लेकर क्षेत्र में चर्चा में रहे। वर्ष 2023 बैच के उपनिरीक्षक अंबुज मुखिया ने तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह के कार्यकाल में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही जरूरतमंदों की मदद कर लोगों का विश्वास जीता।

करीब दस महीने तक नवाबगंज क्षेत्र में तैनाती के दौरान उन्होंने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। खासकर जुआ और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों पर कार्रवाई कर ऐसे लोगों में पुलिस का भय पैदा किया। वहीं, आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और जरूरतमंदों की मदद करने के उनके प्रयासों की भी स्थानीय लोगों ने सराहना की। क्षेत्रीय लोगों के मुताबिक, उनकी सक्रियता से पुलिस के प्रति लोगों में भरोसा बढ़ा था। अपराधियों के खिलाफ सख्ती और आमजन के प्रति संवेदनशीलता उनकी कार्यशैली की खास पहचान रही। इसी वजह से लोग उन्हें गरीबों का मददगार और अपराधियों के खिलाफ सख्त अधिकारी के रूप में याद करते हैं।



बताया जाता है कि हंडिया में तैनाती के दौरान उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया था। वर्तमान में वह रिजर्व पुलिस लाइन में हैं और अब तक उन्हें किसी थाने या चौकी पर नई तैनाती नहीं मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मठ और सक्रिय पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी मिलने से पुलिसिंग मजबूत होने के साथ ही आमजन का विश्वास भी बढ़ता है।

तालाबों से कब्जा हटवाकर दोबारा अतिक्रमण रोकें : मंडलायुक्त

111 तालाबों का होगा जीर्णोद्धार, ग्राम समाज की जमीन से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशांबी। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने सोमवार को उदयन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को तालाबों और ग्राम समाज की जमीन से अवैध कब्जे हटवाने के निर्देश दिए। कहा कि तालाबों को अतिक्रमणमुक्त कराने के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि दोबारा कब्जा न होने पाए। इसके लिए ग्राम पंचायतवार संपत्ति रजिस्टर तैयार कराया जाए।

समीक्षा में बताया गया कि वीबी-जी राम जी योजना के तहत जिले में 111 तालाबों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। मंडलायुक्त ने लेखपालों से रिपोर्ट लेकर तालाबों को कब्जामुक्त कराने और जीर्णोद्धार का काम व्यवस्थित ढंग से पूरा कराने को कहा। आवास योजनाओं की समीक्षा में उन्होंने गांवों का रैंडम सर्वे कराकर कच्चे और पक्के मकानों की स्थिति जानने तथा पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा में स्वयं सहायता समूहों के निष्क्रिय रहने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने समूहों को सक्रिय कर अगले महीने तक प्रगति रिपोर्ट देने को कहा। देव दीपावली पर



कड़ा घाट में कार्यक्रम आयोजित कर स्वयं सहायता समूहों से दीपक बनवाने के निर्देश दिए, ताकि उनकी आय बढ़ सके।

जिले में चिह्नित 90 सैम बच्चों के सत्यापन में 19 परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं मिले थे। इनमें 14 परिवारों के राशन कार्ड बन गए हैं, जबकि पांच के कार्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही है। 16 परिवारों के आवास स्वीकृत हुए हैं और आठ परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है। मंडलायुक्त ने बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार, नियमित टीकाकरण और पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को मॉडल के रूप में विकसित करने में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में पिछड़ रहे विभागों को प्रदर्शन सुधारने को कहा। संस्थागत प्रसव में छूटे मामलों पर विशेष ध्यान देने और जल जीवन मिशन के तहत क्लोरीनयुक्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालयों में शौचालय क्रियाशील रखने, बच्चों को कतार में बैठाकर मध्यान्ह भोजन कराने और जरूरत वाले स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित सड़क व रेलवे लाइन पार कराने की व्यवस्था करने को कहा। धान क्रय केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सामुदायिक शौचालयों को चालू रखने के निर्देश भी दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि जनता दर्शन में आने वाली शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से सुनें और उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। बैठक में जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, एसपी सत्यनारायण, सीडीओ विनोद राम त्रिपाठी, एडीएम शालिनी प्रभाकर और ओम प्रकाश समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ईसीसी कॉलेज से चोरी कंप्यूटर उपकरण बरामद, एक गिरफ्तार

पांच सीपीयू, दो कीबोर्ड, मॉनीटर और प्रिंटर बरामद



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुठ्ठीगंज पुलिस ने ईसीसी कॉलेज से कंप्यूटर उपकरण चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से पांच सीपीयू, दो कीबोर्ड, एक मॉनीटर और एक प्रिंटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, ईसीसी परिसर गऊघाट निवासी राजकुमार मैसी ने शिकायत की थी कि अमन बंसल उर्फ पोलर ने अपने कुछ साथियों के साथ कॉलेज से कंप्यूटर उपकरण और अन्य सामान चोरी किया है। रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गऊघाट बस्ती से अमन बंसल उर्फ पोलर (22) निवासी 722 गऊघाट को गिरफ्तार कर लिया।

उसके कब्जे से सुपरकॉम, इंटेक्स, कम्पैक और इंटेल कंपनी के पांच सीपीयू, डेल और एचपी के दो कीबोर्ड, एचपी का मॉनीटर और इप्शन कंपनी का प्रिंटर बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी और चोरी की संपत्ति से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह, चौकी प्रभारी ऋषभ कुमार, उपनिरीक्षक निर्मल शर्मा, करुणेश कुमार त्रिपाठी समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

विद्यार्थियों को बताए सड़क सुरक्षा के नियम, हेलमेट और सीट बेल्ट का महत्व समझाया

हथगांव के इंटर कॉलेज में पुलिस ने 80 से 90 छात्र-छात्राओं को किया जागरूक



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को हथगांव पुलिस ने चायमालपुर स्थित रामप्यारे वंशगोपाल यादव इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कक्षा 11 और 12 के करीब 80 से 90 छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

प्रभारी निरीक्षक अरुण चतुवेर्दी ने विद्यार्थियों को बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल जरूर करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें और नाबालिगों को वाहन चलाने से बचना चाहिए। उन्होंने यातायात संकेतों की जानकारी देते हुए सड़क पर सावधानी बरतने की अपील की।

कार्यक्रम में उपनिरीक्षक रितेश मौर्या, अखिलेश यादव, महिला उपनिरीक्षक प्रियंका वर्मा, कांस्टेबल प्रकाश चंद्र और महिला कांस्टेबल कोमल गुप्ता मौजूद रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षक भी उपस्थित रहे।

भारद्वाज आश्रम और श्रृंगवेरपुर धाम में छह नवंबर को जलेगा ढाई लाख से अधिक दीप

दोनों स्थलों पर 1.25-1.25 लाख से अधिक दीप होंगे प्रज्ज्वलित, डिप्टी सीएम ने तैयारियों की समीक्षा की



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महर्षि भारद्वाज आश्रम और श्रृंगवेरपुर धाम में छह नवंबर को भव्य दीपोत्सव मनाया जाएगा। दोनों स्थलों पर 1.25-1.25 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। सोमवार को सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम ने कहा कि दीपोत्सव को पारंपरिक और भव्य तरीके से आयोजित किया जाए। इसके लिए दोनों स्थलों पर अलग-अलग समितियां गठित कर कार्यक्रम की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने प्रयागराज के सभी घाटों पर भी दीपोत्सव आयोजित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

उन्होंने घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और यातायात प्रबंधन दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। श्रृंगवेरपुर धाम में नियमित प्रकाश व्यवस्था के लिए हाईमास्ट लाइट लगाने को कहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने के साथ वालंटियर्स की भी तैनाती की जाएगी।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शिक्षा विभाग को कार्यक्रम स्थल पर रंगोली बनाने की तैयारी समय से पूरी करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त और जिलाधिकारी को तैयारियों की लगातार निगरानी करने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने की हिदायत दी।

बैठक में विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, मंडलायुक्त लोकेश एम, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, सीडीओ हर्षिका सिंह, श्रृंगवेरपुर महोत्सव के अध्यक्ष संजय तिवारी समेत जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की,भजन पर झूमे श्रोता

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दिन कथा में उमड़ी भारी भीड़....भव्यता के साथ मनाया गया प्रभु का जन्मोत्सव



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। दहियांवा होलागढ़ में श्रीमद्भागवत के चतुर्थ दिवस पर कथा प्रारंभ से पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज ने भक्तों से अपने संबोधन में कहा कि भारत वर्ष में सदैव वसुधैव कुटुंबकम,विश्व कल्याण की कामना निरंतर चली आ रही।इस सभ्यता संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेवारी है इसका अत्यंत उत्साह व गर्व से अनुपालन करना चाहिए।

वहीं श्रीमद्भागवत कथा में व्यासपीठ से डॉ श्याम सुंदर पाराशर ने उत्तानपाद के वर्णन से कथा प्रारंभ करते उन्होंने बताया कि उत्तानपाद की दो रानियां थी सुनीति और दूसरी सुरुचि जिनके पुत्र ध्रुव व उत्तम हुए। डॉ पाराशर ने उपस्थित भक्तों को सकारात्मक संदेश के रूप में कहा कि यदि आप शास्त्र सम्मत नीति से चलोगे तो समाज में ध्रुवतारा बनकर सदा सदा के लिए चमकते रहोगे उसके पश्चात श्रीकृष्ण जन्मोत्सव जन्म की लीला का सारगर्भित वर्णन धूमधाम से उत्सव मनाया गया।इस अवसर पर यजमान अधिवक्ता शशिकांत शुक्ला,क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज,विभाग संपर्क प्रमुख प्रमोद पांडेय,वैभव करवरिया,ब्लाक प्रमुख शशांक मिश्र,शेष नारायण शास्त्री,मंडल अध्यक्ष राधाकांत शुक्ला,अधिवक्ता अमित शुक्ला,ऋतु राज पाण्डेय,नग नारायण उपाध्याय,अमित ओझा,कन्हैया लाल पांडेय, दिव्यांशु मिश्र,ब्रह्म प्रकाश त्रिपाठी,अमर नाथ द्विवेदी,भीष्म नारायण त्रिपाठी,आचार्य राम जी पाण्डेय,राजू पाल,विनोद ओझा,राकेश मिश्रा,दीपू पांडेय, विष्णुकांत मिश्र,सत्यम ओझा,पिंशु तिवारी,शिव जी तिवारी,आदि भक्त हजारों संख्या में शामिल रहे।

अतीक के दामाद ने पिस्टल के बट से मारकर किया लहूलुहान

अतीक की बहन के दामाद समेत दो नामजद व पांच अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कसारी-मसारी में रविवार दोपहर एक युवक पर हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया गया। आरोप है कि माफिया अतीक अहमद की बहन के दामाद खालिद जफर ने पिस्टल के बट से युवक के सिर पर कई वार किए। मामले में धूमनगंज पुलिस ने खालिद जफर, इरफान हसन समेत पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

दामुपुर निवासी रमीज अहमद के मुताबिक, एक नवंबर की दोपहर वह किसी काम से कसारी-मसारी गया था। वहां पहले से मौजूद खालिद जफर, इरफान हसन और उनके पांच अज्ञात साथी उससे गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान खालिद ने पिस्टल की बट से उसके सिर पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गया।

रमीज ने आरोप लगाया कि हमलावर दबंग किस्म के हैं। जमीन पर अवैध कब्जा करने के साथ ही रंगदारी वसूलने का काम करते हैं। उधर, दूसरे पक्ष से कालिंदीपुरम निवासी इरफान असलम हसन ने भी मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का आरोप लगाते हुए तहरीर देने की बात कही है।

हण्डिया में गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

अंजना नहर के पास पुलिस ने पकड़ा, 2.798 किलो गांजा बरामद



सबसे तेज प्रयागराज

हण्डिया। पुलिस ने सोमवार को अंजना नहर के पास से गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 2.798 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हण्डिया पुलिस टीम ने अंजना नहर के पास घेराबंदी कर अर्जुन सिंह (42) निवासी संग्रामपट्टी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हण्डिया थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई करने वाली टीम में

प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश, चौकी प्रभारी सैदाबाद सौरभ पाण्डेय, कांस्टेबल योगेश कुशवाहा और शिवशनि सोनकर शामिल रहे।

तालिबपुर मारपीट प्रकरण में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो और आरोपी गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर के थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव तालिबपुर में एक परिवार के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनवर और मोनिस निवासी गांव तालिबपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर 2026 को गांव तालिबपुर निवासी नरेश पुत्र पीतम सिंह ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के मोनिस, आजाद, नसीर, अमान सहित अन्य लोगों और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनके परिवार के साथ गाली-गलौज की। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 663/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी सुधीर पंवार ने बताया कि इससे पहले पुलिस आजाद पुत्र हबीब निवासी तालिबपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब अनवर और मोनिस की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिक्षक मतगणना में धांधली के आरोपों को लेकर पांच नवंबर को निकालेंगे मौन जुलूस

जिला पंचायत कार्यालय से डीएम कार्यालय तक मार्च कर सौंपेंगे ज्ञापन, मतों की फॉरेंसिक जांच की मांग



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना में कथित धांधली और मतों की चोरी के आरोपों को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) ने आंदोलन का निर्णय लिया है। संगठन पांच नवंबर को शाम 4:30 बजे जिला पंचायत कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक मौन जुलूस निकालेगा। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त, मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर मतों की फॉरेंसिक जांच कराने की मांग करेगा।

इस संबंध में जिला अध्यक्ष देवराज सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन के प्रत्याशी एवं प्रदेश महामंत्री राजीव यादव के मतों में कथित गड़बड़ी को लेकर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई सार्वजनिक करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव ने कहा कि यह लड़ाई किसी प्रत्याशी या संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक समाज की अस्मिता, सम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का सवाल है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी शैक्षिक और सामाजिक संगठनों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा ने कहा कि संगठन मतों में कथित गड़बड़ी के मामले को शिक्षकों और आम नागरिकों तक पहुंचाएगा।

उन्होंने पांच नवंबर को प्रस्तावित मौन जुलूस में अधिक से अधिक शिक्षकों से शामिल होने की अपील की। प्रदेश आय-व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह और प्रदेशीय मंत्री संदीप शुक्ला ने भी न्याय मिलने तक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

बैठक का संचालन जिला मंत्री डीपी यादव ने किया। इसमें प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश पासी, तीर्थराज पटेल, अशोक कन्नौजिया, पुरुषोत्तम वर्मा, सुधाकर ज्ञानार्थी, मिथलेश मौर्य, लक्ष्मी नारायण सिंह, लालमणि यादव, अरुण कुमार, गार्गी श्रीवास्तव, आकांक्षा कुशवाहा, अमृता यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

प्रतियोगी छात्रा ने कनपटी में गोली मारकर दी जान

चार पन्नों का सुसाइड नोट मिला, मौत के बाद सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में चयन का रिजल्ट आया



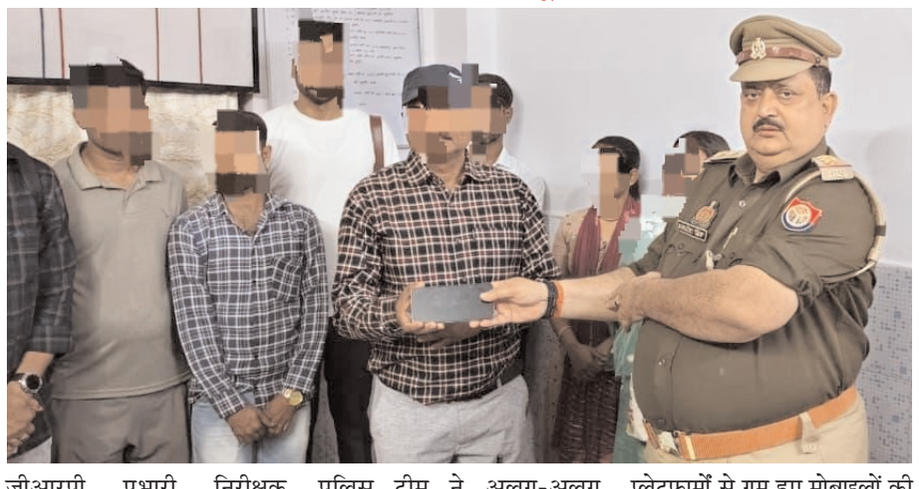
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। झूंसी के गंगा सेक्टर स्थित त्रिवेणीपुरम कॉलोनी में सोमवार को नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने लाइसेंसी पिस्टल से कनपटी पर गोली मारकर जान दे दी। वह एनएचएआई के पूर्व टेक्निकल मैनेजर की बेटी थी। घटना के कई घंटे बाद परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो घर में चीख-पुकार मच गई। दरवाजे का लॉक तोड़कर पहुंची पुलिस को कमरे में छात्रा का रक्तरंजित शव मिला। मौके से चार पन्नों का सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें नीट में सफलता नहीं मिलने से निराश होकर आत्मघाती कदम उठाने का जिक्र है। विडंबना यह रही कि छात्रा की मौत के बाद सोमवार शाम आए नीट के परिणाम में उसका सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में चयन होने की जानकारी सामने आई।

गाजीपुर जिले के नोनहरा थाना क्षेत्र के बनईपुर गांव निवासी इंजीनियर देवराज शर्मा झूंसी के त्रिवेणीपुरम में मकान बनाकर परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी रीतू शर्मा नीट की तैयारी कर रही थी, जबकि बेटा ऋषिराज देहरादून में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है।

जीआरपी ने यात्रियों के बरामद कराए 110 मोबाइल, मालिकों को लौटाए

50 लाख रुपये कीमत के मोबाइल पाकर खिले चेहरे, दूसरे जिलों और राज्यों से किए गए बरामद



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। ट्रेन और रेलवे स्टेशनों पर गुम हुए 110 मोबाइल फोन जीआरपी प्रयागराज ने बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है। सोमवार को जीआरपी थाने में मोबाइल पाकर यात्रियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताया।

पुलिस महानिदेशक रेलवे, आईजी रेलवे प्रयागराज और एसपी रेलवे के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी रेलवे अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण और जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग तिथियों में चलती ट्रेनों और रेलवे प्लेटफार्मों से गुम हुए मोबाइलों की तलाश की। इस दौरान विभिन्न कंपनियों के 110 मोबाइल दूसरे जिलों और राज्यों से बरामद किए गए।

सोमवार को सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को बुलाकर सौंप दिए गए। लंबे समय बाद अपने खोए मोबाइल वापस पाकर यात्रियों ने जीआरपी पुलिस की सराहना की।

मोबाइल बरामद करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजकुमार चौहान, हेड कांस्टेबल अरविंद मिश्रा, विशाल तिवारी, महेश कुमार, प्रदीप द्विवेदी, कांस्टेबल नंदन सिंह यादव, दीपक यादव और पारस यादव शामिल रहे।

छह लेन पुल का निर्माण धीमा मिलने पर डिप्टी सीएम नाराज, तेजी लाने के निर्देश

पुल बनने से फाफामऊ के जाम से मिलेगी राहत, माघ और कुंभ मेले में श्रद्धालुओं का आवागमन होगा आसान



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। निमार्णाधीन छह लेन पुल का काम धीमा मिलने पर सोमवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण में तेजी लाकर काम जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान पुल निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पुल पर सुरक्षा के सभी इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ व्यू कटर सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कराने के निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि छह लेन पुल शुरू होने से फाफामऊ में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी और समय की बचत होगी। माघ मेला और कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों का आवागमन भी सुगम होगा। यह पुल प्रयागराज के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा।

निरीक्षण के दौरान विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

युद्ध, दुष्प्रचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उभरता संकट

कभी युद्ध तलवारों और तोपों से लड़े जाते थे, फिर बारूद, टैंक, लड़ाकू विमान और मिसाइलों ने युद्ध की प्रकृति बदल दी। इक्कीसवीं सदी में युद्ध का सबसे बड़ा परिवर्तन हथियारों से अधिक सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल सुविधा प्रदान करने वाली तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि वह युद्ध, आतंकवाद, साइबर अपराध और वैश्विक सुरक्षा के केंद्र में पहुंच चुकी है।

हाल के अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों और सुरक्षा रिपोर्टों ने चेतावनी दी है कि उग्रवादी तथा अपराधी समूह संवाद आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग रणनीतिक सलाह, दुष्प्रचार, साइबर हमलों की तैयारी और भर्ती अभियानों के लिए करने लगे हैं। इससे विश्व समुदाय के सामने एक नई और जटिल सुरक्षा चुनौती खड़ी हो गई है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मूल उद्देश्य मनुष्य के निर्णय, विश्लेषण और कार्य क्षमता को बेहतर बनाना था। चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में इसके असंख्य सकारात्मक उपयोग सामने आए हैं। यही तकनीक रोगों की पहचान करती है, मौसम का पूर्वानुमान देती है, किसानों को सलाह देती है और विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तैयार करती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब यही क्षमता गलत हाथों में पहुंच जाती है। किसी भी शक्तिशाली तकनीक की तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं नैतिक या अनैतिक नहीं होती, उसका उपयोग करने वाला व्यक्ति या संगठन उसके उद्देश्य का निर्धारण करता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ आज तकनीक से अधिक उसके दुरुपयोग को लेकर चिंतित हैं।

हाल में प्रकाशित एक विस्तृत सुरक्षा रिपोर्ट में कई ऐसे उदाहरण सामने आए जिनमें राज्य समर्थित समूहों, हथियार विकसित करने वाले नेटवर्क, जासूसी तंत्र, दुष्प्रचार फैलाने वाले संगठनों और साइबर अपराधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अपने अभियानों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किया। रिपोर्ट के अनुसार पहले जिन कार्यों के लिए विशेषज्ञों की पूरी टीम और लंबा समय आवश्यक होता था, अब वही कार्य कुछ व्यक्तियों द्वारा बहुत कम समय में किए जा सकते हैं। यह परिवर्तन केवल गति का नहीं, बल्कि क्षमता के लोकतंत्रीकरण का भी संकेत है। अब अत्यधिक तकनीकी ज्ञान के बिना भी कोई समूह बड़े पैमाने पर प्रभाव उत्पन्न कर सकता है।सबसे गंभीर चिंता साइबर युद्ध को लेकर व्यक्त की जा रही है। संवाद आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशाल मात्रा में उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण करके संभावित कमजोरियों की पहचान कर सकती है। यही क्षमता किसी संस्था को अपने तंत्र की सुरक्षा मजबूत करने में भी सहायता देती है और दुर्भावनापूर्ण तत्वों को कमजोरियों को समझने में भी लाभ पहुंचा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पताल, विद्युत ग्रिड, जल आपूर्ति, बैंकिंग व्यवस्था और सरकारी सेवाएं भविष्य के साइबर हमलों के प्रमुख लक्ष्य बन सकती हैं, क्योंकि आधुनिक समाज इन प्रणालियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है।

युद्ध का एक नया आयाम दुष्प्रचार है। पहले प्रचार सामग्री तैयार करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की आवश्यकता होती थी, जबकि अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही मिनटों में हजारों लेख, चित्र, आवाज और वीडियो तैयार कर सकती है। यदि इनका उपयोग झूठी सूचनाएं फैलाने, सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने या किसी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए किया जाए तो उसका प्रभाव वास्तविक युद्ध जितना गंभीर हो सकता है। विशेषज्ञ इस प्रक्रिया को सूचना युद्ध का आधुनिक रूप मानते हैं, जहां गोली नहीं बल्कि भ्रम सबसे बड़ा हथियार बन जाता है।

डीपफेक तकनीक ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। किसी नेता, सैनिक या अधिकारी की कृत्रिम आवाज अथवा वीडियो बनाकर गलत संदेश प्रसारित किया जा सकता है। युद्ध जैसी संवेदनशील परिस्थितियों में ऐसी सामग्री कुछ ही घंटों में व्यापक भ्रम और सामाजिक अशांति पैदा कर सकती है। यही कारण है कि अनेक देशों की सुरक्षा एजेंसियां अब केवल सीमा सुरक्षा ही नहीं, बल्कि डिजिटल सूचना की विश्वसनीयता की रक्षा को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मान रही

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष ने यह भी दिखाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक युद्ध में निर्णय प्रक्रिया को कितना तेज कर सकती है। उपग्रह चित्रों, ड्रोन से प्राप्त वीडियो, रडार संकेतों और अन्य आंकड़ों का तत्काल विश्लेषण करके लक्ष्य पहचानने और संसाधनों के उपयोग में सहायता मिलती है। इससे युद्ध संचालन अधिक सटीक और तीव्र हो जाता है। हालांकि अनेक विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अंतिम घातक निर्णय पर मानव नियंत्रण बनाए रखना अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी एल्गोरिदम से नागरिक और लड़ाके के बीच पूर्ण विश्वसनीय अंतर की अपेक्षा करना अभी संभव नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण विचार यह उभर रहा है कि परमाणु हथियारों की तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए भी स्पष्ट सुरक्षा सीमाएं निर्धारित की जाएं। हाल के संयुक्त संवाद में सुरक्षा विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि परमाणु नियंत्रण प्रणाली, महत्वपूर्ण साइबर संरचनाओं और स्वचालित सैन्य प्रतिक्रिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को स्वतंत्र निर्णय लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही आकस्मिक घटनाओं की स्थिति में देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद तंत्र विकसित करने की भी आवश्यकता बताई गई है, जिससे गलतफहमी के कारण युद्ध की आशंका कम हो सके।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं युद्ध का निर्णय ले सकती है। वर्तमान वैज्ञानिक सहमति यही है कि आज की प्रणालियां लक्ष्य निर्धारित नहीं करतीं, बल्कि उन्हें दिए गए निर्देशों के आधार पर कार्य करती हैं। वास्तविक खतरा स्वायत्त चेतना से अधिक उन मनुष्यों से है जो इस तकनीक का उपयोग हिंसा, आतंकवाद या अपराध के लिए करना चाहते हैं। इसलिए समस्या का समाधान केवल बेहतर तकनीक नहीं, बल्कि बेहतर शासन, उत्तरदायी कानून और अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी है।

भारत के लिए यह विषय विशेष महत्व रखता है। देश तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा आधुनिकीकरण और सार्वजनिक सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग बढ़ा रहा है। दूसरी ओर सीमा पार साइबर हमले, वित्तीय धोखाधड़ी, दुष्प्रचार और डिजिटल कट्टरपंथ जैसी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की नई अवधारणा में साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को समान महत्व देना होगा। केवल सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि सुरक्षित डिजिटल ढांचा भी उतना ही आवश्यक होगा।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती।

अभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उडाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं।

यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मयार्दा का प्रश्न हमेशा बना रहता है।

इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए

यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है।

दुर्भाग्य यह है कि आज आरोप लगाना आसान हो गया है और आरोप का जवाब भी एक नए आरोप से देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एक नेता किसी नीति पर सवाल उठाता है तो जवाब में नीति की चर्चा करने के बजाय उसके पुराने बयान खोजे जाते हैं। किसी सरकार के निर्णय पर सवाल उठता है तो विपक्ष के पुराने कार्यकाल की कमियां गिनाई जाती हैं। किसी नेता की आलोचना होती है तो उसके जवाब में दूसरे नेता की आलोचना सामने आ जाती है।

इस प्रकार राजनीतिक संवाद एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल जाता है जिसमें यह साबित करने की कोशिश होती है कि सामने वाला अधिक गलत है।

लेकिन जनता का सवाल इससे अलग है कि आप क्या करेंगे राजनीतिक दलों की ठोस योजनाएं क्या हैं। इन सवालों का उत्तर किसी आरोप से नहीं दिया जा सकता। राजनीति में व्यक्तिगत आक्षेप इसलिए भी चिंता का विषय हैं क्योंकि वे धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। नेता जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। समर्थक उसी भाषा को दोहराते हैं और फिर राजनीतिक मतभेद सामाजिक कटुता में बदलने लगते हैं। लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ वैमनस्य नहीं है। आज विपक्ष की ओर से सरकार के प्रति पूरी तरह कटुता का व्यवहार किया जा रहा है। इंदौर के कार्यक्रम में भी कटुता का खेल खेला गया। क्या छात्र ऐसी कटुता को अपने उत्थान और विकास के लिए जरूरी मानते हैं। यह सवाल राजनीतिक दलों से पूछने का साहस भी छात्रों को करना चाहिए।

यहां यह भी आवश्यक है कि इस प्रश्न को केवल एक दल या एक नेता तक सीमित न किया जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, राजनीतिक मयार्दा की कसौटी सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी नेता की मिमिक्री करता है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए; यदि सत्ता पक्ष विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत कटाक्ष करता है तो उस पर भी उतनी ही गंभीरता से सवाल उठना चाहिए। लोकतांत्रिक मयार्दा किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। विपक्ष को भी लोकतान्त्रिक मयार्दा के तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था, इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम दृष्टया राजनीतिक आरोप लगना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं।

आरोप-प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी। परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है।

इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से सवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए। विपक्ष के आरोपों का उत्तर दीजिए, लेकिन वैकल्पिक नीति के साथ दीजिए। व्यंग्य कीजिए, लेकिन ऐसी सीमा का ध्यान रखिए जहां राजनीतिक आलोचना व्यक्तिगत अपमान में न बदल जाए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, किंतु असहमति को संवाद में बदलना उससे भी अधिक आवश्यक है। राजनीति का उद्देश्य केवल यह सिद्ध करना नहीं होना चाहिए कि दूसरा पक्ष गलत है, राजनीति का बड़ा उद्देश्य यह बताना होना चाहिए कि जनता के लिए सही रास्ता क्या है और उस रास्ते पर चलने की योजना क्या है।

आज जनता राजनीतिक दलों से यही अपेक्षा कर रही है कि वे आरोपों की राजनीति से आगे बढ़ें और समाधान की राजनीति को केंद्र में लाएं। यदि राजनीति लगातार व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती रही तो मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। और जब मुद्दे पीछे छूटते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता की वास्तविक समस्याएं भी राजनीतिक विमर्श से बाहर होने लगती हैं। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है कि कटाक्ष कम हों, संवाद बढ़े, आरोप कम हों, तथ्य बढ़ें और व्यक्तियों से अधिक मुद्दों पर राजनीति हो।

ह्यही लोकतंत्र की गरिमा भी है और जनता के प्रति राजनीति की वास्तविक जिम्मेदारी भी।

सभी तो प्रधानमंत्री के सहपाठी नहीं हो सकते

अशोक मधुप

पीएम नरेंद्र मोदी से एक मुलाकात के बाद उनके स्कूल फ्रेंड असगर अली वोरा की वर्षों पुरानी समस्या खत्म हो गई। मीरा भायंदर की जमीन पर अपने हक के लिए वह कई साल से अफसरों और विभागों के चक्कर काट रहे थे। असगर अली वोरा ने एक सप्ताह पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि भायंदर में उनकी जमीन पर बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता की कंस्ट्रक्शन कंपनी ने कब्जा कर लिया है। मुलाकात के सात दिनों के भीतर उनकी प्रॉब्लम खत्म हो गई। मंगलवार को बीजेपी विधायक ने बताया कि वह विवादित जमीन का कब्जा छोड़ रहे हैं और उस प्लॉट के लिए मिली कंस्ट्रक्शन की मंजूरी भी सरेंडर कर रहे हैं। नरेंद्र मेहता ने असगर अली वोरा के खिलाफ पहले की गई अपनी शिकायत वापस ले ली ।81 साल के असगर अली वोरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचपन के मित्र हैं। उन्होंने वोरा ने गुजरात के वडनगर के बी एन स्कूल में मोदी के साथ पढ़ाई की थी। उन्होंने आठ सितंबर को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और अपनी जमीन पर कब्जे के बारे में बताया था। उन्होंने इस विवाद में पीएम मोदी से दख्ल देने की अपील की। वोरा ने बताया कि उन्होंने 1989 में भायंदर ईस्ट के नवघर में लगभग 2810 स्क्वायर मीटर जमीन खरीदी थी। 2011 में इस प्लॉट पर स्वयं बिल्डर्स और मेहता



की सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन्स ने कब्जा कर लिया। वोरा ने कहा कि वह लगभग 15 सालों से अलग-अलग सरकारी अधिकारियों के पास यह मामला उठा रहे थे, किसी ने नहीं सुनी।

वोरा और प्रधानमंत्री मोदी के बचपन के स्कूलमेट हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंच गए। प्रधानमंत्री के साथ उनका फोटो और खबर आने के बाद भाजपा विधायक समझ गए और पीछे हट गए। देश के प्रत्येक आदमी की पहुंच तो प्रधानमत्री तक नही। प्रत्येक व्यक्ति तो प्रधानमंत्री का मित्र और सहपाठी नही। वह अपनी समस्या को लेकर कहां जाए।

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के चौसाना गांव के रहने वाले और पूर्व शिक्षक मास्टर विजय सिंह गांव की लगभग चार हजार बीघा सार्वजनिक कृषि भूमि को भू-माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराने और उसे भूमिहीनों या सार्वजनिक उपयोग में लाने की मांग को लेकर तीस से ज्यादा साल से आंदोलनरत है। जांच में उनकी शिकायत मिलने पर भी अभी तक भूमि से कब्जे नही हटे। मास्टर विजय सिंह ने 26 फरवरी 1996 को मुजफ्फरनगर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने यह धरना शुरू किया था। इसके बाद यह धरना मुजफ्फरनगर के शिव चौक व कलेक्ट्रेट परिसर में निरंतर जारी है। इस लड़ाई के लिए उन्होंने अपनी सरकारी शिक्षक की नौकरी तक छोड़ दी और गांधीवादी रास्ते पर चलते हुए पिछले तीन दशकों से लगातार धरना दे रहे हैं। उनके इस अड़ियल और लंबे संघर्ष को ह्यलिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्सह्न, ह्यइंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सह्न, ह्यएशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सह्न और विश्व स्तर की कई अन्य रिकॉर्ड संस्थाओं द्वारा मान्यता दी गई है। प्रशासनिक जांचों में उनके आरोप सही पाए जाने और कई सरकारें व मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद जमीन पर ठोस कार्रवाई और न्याय मिलने का इंतजार आज भी बना हुआ है, और उनका यह अनवरत सत्याग्रह जारी है। यही नही नदियों के कछार की जमीन तो भूमाफियाओं के कब्जे में रहती है। गरीब किसान अधिकारियों के दरबार में शिकायत करता थक जाता है, किंतु कहीं कोई सुनवाई नही होती। फिल्म पानसिंह तोमर भी ऐसी ही एक घटना पर बनी है। फौजी को कब्जा हुई जमीन पर सब जगह शिकायत करने पर भी न्याय नही मिलता। मजबूरी में एक दिन यह बंदूक उठाकर चंबल के कछार में उतर जाता है। ऐसे ही एक उत्पीड़न के शिकार बीएसएफ के एक हवलदार लगभग बीस साल पहले मुझे मिले। उत्तेजित थे । बोले- जी करता है कि बंदूक लेकर एक दिन सारे दुश्मनों को मार दूं। उन्हें समझाया । उनकी शिकायत छापी । अधिकरियों से कहा। किंतु थाने वाले उसका मजाक उड़ाते । कहते कैसा फौजी है। अपनी जमीन पर ही कब्जा नही ले पा रहा। चलता रहा। कब्जा फिर भी नही मिला। अब नौकरी छोड़ कार्ट झ्र कचहरी के चक्कर काट रहे हैं । बिजनौर जिले की ग्राम शाहलीपुर जमान की दीपू शर्मा तो रोज अपनी जमीन पर माफियाओं के कब्जे की वीडियों फेसबुक पोस्ट कर अधिकारियों से अपील करती रहती है, किंतु कोई सुनवाई नही हो रही।

महाराष्ट्र के नासिक जिले स्थित निफाड़ कस्बे से एक हैरान करने वाला मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। क्षेत्र में बढ़ रहे आवारा कुत्तों के आतंक और काटने की घटनाओं से स्थानीय नागरिक काफी समय से परेशान थे।

जनविश्वास का क्षरण और लोकतांत्रिक जवाबदेही

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि नागरिकों और राज्य के बीच विश्वास का जीवंत अनुबंध है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज की वास्तविक शक्ति उसके संविधान, संस्थाओं और कानूनों के साथ-साथ उस भरोसे में निहित होती है, जिसके आधार पर नागरिक शासन को वैधता प्रदान करते हैं। जब यह विश्वास मजबूत होता है तो लोग कठिन परिस्थितियों में भी सरकार के आह्वानों का समर्थन करते हैं, त्याग करते हैं और राष्ट्रीय हित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखते हैं। परंतु जब यही विश्वास धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है, तब समाज में एक ऐसा मौन जन्म लेता है जो किसी भी तीखे विरोध से अधिक गंभीर संकेत माना जाता है। आज भारत में कानून, शिक्षा, सामाजिक न्याय और अवसरों की निष्पक्षता को लेकर चल रही बहसें इसी व्यापक प्रश्न को सामने ला रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देश ने नागरिक भागीदारी के अनेक असाधारण दृश्य देखे।

महामारी के दौरान लोगों ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर ताली और थाली बजाकर स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इसी प्रकार मालदीव विवाद के समय बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने अपनी यात्राएँ रद्द कर राष्ट्रीय स्वाभिमान के समर्थन का संदेश दिया। ये घटनाएँ बताती हैं कि जब जनता नेतृत्व पर विश्वास करती है तो प्रतीकात्मक आह्वान भी व्यापक सामाजिक अभियान बन जाते हैं। लेकिन लोकतंत्र में प्रतीकों की सफलता स्थायी नहीं होती। समय के साथ नागरिक अपने दैनिक जीवन की वास्तविक समस्याओं को अधिक महत्व देने लगते हैं और शासन का मूल्यांकन भावनात्मक नारों के बजाय प्रशासनिक अनुभवों के आधार पर करते हैं।

इसी पृष्ठभूमि में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम को लेकर चल रही बहस अत्यंत संवेदनशील है। इस कानून का मूल उद्देश्य सदियों से सामाजिक भेदभाव और हिंसा झेल रहे समुदायों को प्रभावी कानूनी संरक्षण देना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे संरक्षण की आवश्यकता भारतीय समाज में ऐतिहासिक अन्याय की पृष्ठभूमि में उत्पन्न हुई। दूसरी ओर कुछ नागरिक संगठन, वकील और सामाजिक समूह लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि कुछ मामलों में इस कानून का दुरुपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी या झूठे मुकदमों के लिए भी किया जाता है। यह अंतर समझना आवश्यक है कि दुरुपयोग के आरोपों का अस्तित्व और यह निष्कर्ष कि पूरा कानून व्यापक रूप से दुरुपयोग का साधन बन चुका है, दोनों एक समान बात नहीं हैं। न्याय का तकाजा यह है कि वास्तविक पीड़ितों को त्वरित संरक्षण मिले और साथ ही झूठे मामलों की निष्पक्ष जांच भी सुनिश्चित हो।

भारत में बैंकिंग क्षेत्र का विकास : 2014 से 2026 तक

लेखक : सी.ए. डॉ. शंकर घनश्यामदास अंदानी

भारत के आर्थिक विकास में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैंक केवल जमा और ऋण देने वाली संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि वे बचत, निवेश, बीमा, पेंशन, सरकारी सहायता, छोटे व्यवसाय, कृषि और डिजिटल भुगतान को आम नागरिक तक पहुंचाने का माध्यम हैं। वर्ष 2014 के बाद भारत की बैंकिंग व्यवस्था में वित्तीय समावेशन, डिजिटल बैंकिंग, जन-धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, छोटे ऋण, बीमा-पेंशन और बैंकिंग पहुंच में व्यापक परिवर्तन दिखाई देता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2017 में भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय समावेशन सूचकांक 43.4 था, जो मार्च 2026 में बढ़कर 70.0 हो गया।

1. जन-धन योजना : बैंकिंग से वंचित लोगों को जोड़ना

अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) शुरू की गई। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना था, जिनके पास पहले बैंक खाता नहीं था। सरकार के अनुसार 1 जुलाई 2026 तक 58.63 करोड़ जन-धन खाते खोले जा चुके थे और इनमें 3.08 लाख करोड़ से अधिक जमा राशि थी। इनमें लगभग 32.68 करोड़ खाते महिलाओं के तथा 45.62 करोड़ खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में थे।

सामान्य आदमी को लाभ

गरीब व्यक्ति को बैंक खाता, रुपे कार्ड, सरकारी सहायता प्राप्त करने का माध्यम और बचत की औपचारिक सुविधा मिली। इससे नकदी पर निर्भरता कम करने और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने में सहायता हुई।

2. जेएएम व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण

जन-धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) व्यवस्था ने बैंक खाते को डिजिटल पहचान और मोबाइल से जोड़ने का आधार बनाया। इसका उपयोग विभिन्न सरकारी योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने में किया गया। उदाहरण के लिए, सरकारी सब्सिडी या अन्य पात्र लाभ बैंक खाते में सीधे पहुंच सकता है। इससे भुगतान की प्रक्रिया अधिक डिजिटल और निगरानी योग्य हुई। हालांकि, शोध की दृष्टि से यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का लाभ तभी पूरी तरह मिलता है जब बैंक खाता सक्रिय हो, आधार और मोबाइल विवरण सही हों तथा लाभार्थी की पात्रता संबंधी जानकारी सही दर्ज हो।

3. डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई

2014 के बाद बैंकिंग क्षेत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन डिजिटल लेनदेन में दिखाई देता है। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और क्यूआर भुगतान ने बैंकिंग को शाखा से मोबाइल फोन तक पहुंचाया।

वित्त मंत्रालय के अनुसार डिजिटल भुगतान लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2017-18 में 2,071 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 22,831 करोड़ हो गई। लेनदेन का मूल्य इसी अवधि में 1,962 लाख करोड़ से बढ़कर 3,509 लाख करोड़ हुआ।

सामान्य नागरिक को लाभ

एक छोटे दुकानदार को कार्ड मशीन की आवश्यकता के बिना क्यूआर कोड से भुगतान स्वीकार करने की सुविधा मिली। ग्राहक भी बैंक शाखा जाए बिना मोबाइल से भुगतान कर सकता है।

4. ग्रामीण बैंकिंग का विस्तार

बैंकिंग विकास केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा। अगस्त 2026 की सरकारी जानकारी के अनुसार देश में 1.81 लाख से अधिक बैंक शाखाएं थीं और 6 मार्च 2026 तक 99.92 प्रतिशत गांवों में 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग केंद्र की उपलब्धता बताई गई।

बैंकिंग प्रतिनिधियों और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने अंतिम छोर तक बैंकिंग पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका लाभ विशेष रूप से ग्रामीण नागरिकों, छोटे किसानों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों को मिला।

5. डाकघर से बैंकिंग तक

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डाकघरों के विशाल नेटवर्क का उपयोग बैंकिंग सेवाओं के लिए किया गया। जुलाई 2026 तक इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के 1.65 लाख से अधिक डाकघर केंद्र और 11 करोड़ से अधिक ग्राहक होने की सरकारी जानकारी है। इसका महत्व उन क्षेत्रों में अधिक है जहां पारंपरिक बैंक शाखाएं कम हैं।

6. छोटे व्यवसायों के लिए मुद्रा

बैंकिंग क्षेत्र के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) है। इसका उद्देश्य छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना है 26 जून 2026 तक 59.14 करोड़ मुद्रा ऋण, कुल 41.71 लाख करोड़ की राशि के साथ स्वीकृत किए जाने की सरकारी जानकारी है।

उदाहरण

छोटी दुकान, सिलाई केंद्र, सेवा केंद्र, खाद्य व्यवसाय या अन्य सूक्ष्म उद्यम शुरू करने वाला व्यक्ति औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से ऋण प्राप्त कर सकता है।

इससे अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता कम करने की संभावना बढ़ती है। हालांकि ऋण लेने वाले व्यक्ति के लिए ब्याज दर, पुनर्भुगतान क्षमता और व्यवसाय की व्यवहार्यता अभी भी महत्वपूर्ण हैं।

7. महिलाओं के लिए बैंकिंग और वित्तीय सुरक्षा

जन-धन खातों में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। जुलाई 2026 तक पीएमजेडीवाई के लगभग 55.74 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर थे। इसके साथ महिला उद्यमियों के लिए स्टैंड-अप इंडिया योजना भी लागू की गई। 31 मार्च 2025 तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों के लिए 2.75 लाख ऋण, कुल 62,790 करोड़ की राशि के साथ स्वीकृत किए जाने की सरकारी जानकारी है।

इससे महिला उद्यमिता और औपचारिक वित्तीय व्यवस्था के बीच संबंध मजबूत करने का प्रयास हुआ।

8. किसान और बैंकिंग व्यवस्था

कृषि क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से किसानों को कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम है।

2026 में सरकारी आंकड़

झाड़ियों में मिला अज्ञात महिला का शव, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

शीघ्र शिनाख्त और घटना के खुलासे के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र में कोर्रा कनक मोड़ से मुत्तौर रोड पर सोमवार को सड़क किनारे झाड़ियों के बीच खंती में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच की प्रगति की जानकारी ली।

एसपी ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने महिला की शिनाख्त कराने, वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलित करने और घटना का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए। साथ ही मामले में प्रभावी और त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

यूजीसी के मुद्दे पर सवाल पूछना लोकतांत्रिक अधिकार, हिंसा से नहीं दें जवाब : कुशल प्रसाद गौरव



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूजीसी के मुद्दे पर सवाल पूछना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। सवालों का जवाब तर्क और संवाद से दिया जाना चाहिए, हिंसा से नहीं। यह बातें कुशल प्रसाद गौरव ने प्रयागराज में तिवारी जी के साथ हुई कथित थप्पड़ मारने की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहीं। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति और सवाल पूछने की आजादी का सम्मान होना चाहिए। किसी के सवाल से असहमति होने पर हिंसा का सहारा लेना उचित नहीं है। उन्होंने मामले में राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की।

पक्का तालाब पर लगेगा पटाखा बाजार, आबादी में दुकान लगाने पर रोक



बिना अनुमति पटाखा बेचने पर होगी कार्रवाई, दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। दीपावली पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना संदीपन घाट पुलिस ने मूरतगंज कस्बे के एक गेस्ट हाउस में पटाखा कारोबारियों और लाइसेंस धारकों के साथ बैठक की। थाना प्रभारी एनके नागर ने दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का पालन करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि इस बार भी मूरतगंज के पक्का तालाब पर पटाखा बाजार प्रस्तावित है।

थाना प्रभारी ने कहा कि आबादी और रिहायशी इलाकों में पटाखों की दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। पटाखों का भंडारण भी निर्धारित क्षमता और मानकों के अनुसार ही करना होगा। प्रत्येक दुकान पर बालू और पानी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखनी होगी। दुकानदारों को अपनी दुकानें एक-दूसरे से करीब एक मीटर की दूरी पर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्थायी लाइसेंस लेना जरूरी है। एसडीएम की अनुमति के बिना पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभी दुकानदार समय से आवेदन कर नियमानुसार अनुमति प्राप्त करें।

थाना प्रभारी ने व्यापारियों से दीपावली का पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

बैठक में मूरतगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक चंद्रभान यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी और पटाखा कारोबारी मौजूद रहे।

चार नवंबर को गोरखपुर में निकलेगी भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष



गोरखपुर।

भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र बचाओ अभियान के अंतर्गत आगामी चार नवंबर को गोरखपुर में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की प्रस्तावित पदयात्रा को सफल बनाने के लिए रविवार को भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय रानीडीहा में महत्वपूर्ण तैयारी बैठक हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई और कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर जनता के मन में भ्रम और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

जनता के जनादेश को स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। ऐसे में तथ्यों के साथ जनता के बीच पहुंचकर झूठ और भ्रम का जवाब देना भाजपा का कर्तव्य है।

यूपी के अमन बने यूनिसेफ युवा के राष्ट्रीय सलाहकार, 6000 युवाओं में हुआ चयन

बागपत।

उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत के ट्योढ़ी गांव के युवा अमन कुमार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यूनिसेफ ने उन्हें भारत की शीर्ष युवा सलाहकार परिषद यंग पीपल्स एक्शन टीम (YPAT) में शामिल कर यूनिसेफ युवा का राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया है। बागपत के जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने आज बताया कि उन्हें यूनिसेफ हाउस, नई दिल्ली की अधिकारी नम्रता गोगोई ने यह जानकारी दी है। भाटी के अनुसार देशभर से आए 6,000 से अधिक प्रस्तावों में से कड़े मूल्यांकन और



इंटरव्यू के बाद अमन का चयन किया गया है। अमन वर्तमान में माय भारत के युवा स्वयंसेवक और इग्नू में समाज कार्य विषय के छात्र हैं। अब अमन नई दिल्ली में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम, कौशल विकास और श्रम मंत्रालयों व यूएन एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल होकर राष्ट्रीय युवा नीतियों को आकार देंगे। उनका लक्ष्य 2030 तक हर युवा को शिक्षा, कौशल और करियर से जोड़ना है।

अमन का सफर प्रेरणादायक है। अखबार बेचने और फैक्ट्री में मजदूरी से शुरू कर उन्होंने गांव के युवाओं के लिए अवसरों की कमी को महसूस किया। इसी सोच से उन्होंने उड़ान यूथ क्लब और कॉन्टेस्ट 360 प्लेटफॉर्म शुरू किया, जो अब 88 लाख से अधिक युवाओं को अवसरों से जोड़ रहा है।

दीपावली पर युवाओं को रोजगार की सौगात देगी योगी सरकार, वाराणसी में तीन दिवसीय मेगा जॉब फेयर मंगलवार से

3 से 5 नवंबर तक तीन स्थानों पर लगेंगे रोजगार मेले

वाराणसी।

दीपावली के अवसर पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार का बड़ा अवसर देने जा रही है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत वाराणसी में तीन दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से 3 से 5 नवंबर तक जिले के तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होने वाले इन रोजगार मेलों में प्रतिदिन करीब 40 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।

रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। कंपनियां अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता, तकनीकी दक्षता और कौशल के आधार पर चयन करेंगी। चयनित युवाओं को 12 हजार से 35 हजार रुपये तक मासिक वेतन वाली नौकरियां मिल सकती हैं। वहीं, कुछ पदों पर चार लाख रुपये से अधिक सालाना पैकेज पाने का अवसर भी उपलब्ध होगा।



स्थानों पर लगेंगे मेले

वाराणसी के सहायक निदेशक (सेवायोजन) मुकेश कुमार ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। इसके तहत 3 नवंबर को जगतपुर इंटर कॉलेज, जगतपुर में पहला मेला लगेगा। 4 नवंबर को क्रीडेंस इंटरनेशनल स्कूल, उमरहा बाजार (गाजीपुर रोड) में दूसरे मेले का आयोजन होगा, जबकि 5 नवंबर को क्वींस इंटरमीडिएट कॉलेज, लहुराबीर में तीसरा रोजगार मेला लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्थान पर करीब 40 कंपनियों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है।

इससे अभ्यर्थियों को एक ही परिसर में कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने, साक्षात्कार देने और अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी हासिल करने का अवसर मिलेगा।

इन नामी कंपनियों में नौकरी पाने का मिलेगा मौका

रोजगार मेले में डिक्सन, मदरसन, कोटक महिंद्रा बैंक, विकास ग्रुप, स्विगी, आईसीआईसीआई बैंक, साटा विकास प्राइवेट लिमिटेड, वर्धमान फैब्रिक्स, टोकल कोगल प्राइवेट लिमिटेड, डिलीवरी, फ्लिपकार्ट, केल्विन पाइप्स, रेजोन सोलर लिमिटेड और कृष्णा मारुति सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिभाग करने की जानकारी दी गई है।

इन कंपनियों में विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन उनकी योग्यता और संबंधित पद की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 12 हजार से 35 हजार रुपये तक प्रतिमाह वेतन मिल सकता है।

भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से झूम उठा देवा मेला, 'रंग-ए-झूम' में बिखरी भारतीय संस्कृति की छटा

बाराबंकी।

देवा मेला एवं प्रदर्शनी-2026 की सांस्कृतिक संध्या में रविवार को आयोजित रंग-ए-झूम कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय नृत्य और आध्यात्मिक भावनाओं के अनूठे संगम का साक्षी बना। भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान श्रीराम की महिमा, मां दुर्गा की शक्ति और भगवान शिव के विराट स्वरूप को कलाकारों ने अपनी नृत्य मुद्राओं के माध्यम से मंच पर जीवंत कर दिया।



गुरु कलाश्री सय्यद शमशुर रहमान के निर्देशन में भरतनाट्यम कलाकार अभिलाषा सिंह ने अनुष्का प्रकाश, यशिका शुक्ला, दिया चंद्रा, अक्षरा भारद्वाज, कशिश वर्मा एवं विधि गुप्ता के साथ शानदार प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों के लयबद्ध पद संचालन, आकर्षक भाव-भंगिमाओं और उत्कृष्ट तालमेल ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ शुद्धं ब्रह्म परात्पर राम की प्रस्तुति से हुआ। इसमें कलाकारों ने भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप, आदर्श चरित्र और मयार्दा पुरुषोत्तम की महिमा का भावपूर्ण चित्रण किया। इसके बाद महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम पर आधारित प्रस्तुति में मां दुर्गा के शौर्य, शक्ति और महिषासुर पर विजय की गाथा को आकर्षक नृत्य मुद्राओं के जरिए प्रस्तुत किया गया। वहीं, शिव तांडव स्तोत्रम की प्रस्तुति में भगवान शिव के गंगाधर, नटराज और महाकाल स्वरूप की मनोहारी झलक देखने को मिली। शिव के प्रचंड तांडव और उनकी विभिन्न लीलाओं की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति स्वरांजलि में भरतनाट्यम की शास्त्रीय सुंदरता, लय, ताल और पद संचालन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

इन्श्योरेन्श पॉलिसी के नाम पर साइबर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का सरगना समेत पांच अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में थाना दक्षिण पुलिस टीम ने रविवार को इन्श्योरेन्श पॉलिसी के नाम पर आम जनता से साइबर ठगी करने वाले अन्तरजनपदीय गिरोह के सरगना समेत पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त फर्जी, म्यूल खातों से चेक व एटीएम से ठगी की रकम निकालते थे। गिरोह ने अब तक 50 से अधिक खातों के माध्यम से करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि निकाली है।

सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि थाना दक्षिण में तैनात उपनिरीक्षक राजकुमार गौतम ने पुलिस टीम के साथ सूचना पर घेराबंदी पर कार सवार 05 व्यक्तियों को पकड़ा। इनकी पहचान आगरा ओ अजीत प्रताप उर्फ बन्टू, सुरेश, महेन्द्र, राजू कुमार और हाथरस का ऐदल सिंह के रुप में हुई है। पुलिस ने कार की पिछली सीट पर रखे पारदर्शी प्लास्टिक बैग से मोबाइल फोन, पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड आदि बरामद किए हैं, जिनके बारे में पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने ठगी की बात स्वीकार की है।



सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तगण एक गिरोह के सदस्य हैं, जो आम जनता के लोगों से पॉलिसी के नाम पर साइबर ठगी करते थे। ठगी की रकम फर्जी, म्यूल बैंक खातों में मंगाई जाती थी और उसे चेक व एटीएम के माध्यम से निकाल लिया जाता था। गिरोह का सरगना अजीत प्रताप उर्फ बन्टू नए-नए लोगों को ढूंढकर उनके आधार और पेन कार्ड में नाम-पता बदलवाता था। आधार कार्ड में पता बदलकर ये लोग नए-नए शहरों में अपने ठिकाने बनाते थे और अलग-अलग जनपदों के विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाते थे।

रंगमंच पर जीवंत हुआ 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का गौरवशाली इतिहास

बलिया।

बलिया जनपद के स्थापना दिवस के अवसर पर साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था संकल्प द्वारा रविवार को टीडी कालेज के मनोरंजन हाल में नाटक 'महानायक मंगल पाण्डे' का प्रभावशाली मंचन किया गया। वरिष्ठ रंगकर्मी आशीष त्रिवेदी द्वारा लिखित एवं निर्देशित इस नाटक के माध्यम से 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक मंगल पाण्डे के साहस, संघर्ष और उनके आत्मबलिदान को कलाकारों ने मंच पर जीवंत कर दिया।

नाटक में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध मंगल पाण्डे के विद्रोह, देश की आजादी के प्रति उनके समर्पण तथा मातृभूमि के लिए उनके बलिदान को प्रभावशाली दृश्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।



नाटक में दिखाने का प्रयास किया गया कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं, बल्कि असंख्य क्रांतिकारियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण चर्बी वाला कारतूस था मगर उसके पीछे आम भारतीयों पर अंग्रेजों का दमन और अत्याचार की दिल दहला देने वाली अनेकों कहानियां भी थी । जिसने 1857 के विद्रोह के लिए पृष्ठभूमि तैयार किया। मंगल पाण्डे का जीवन आज भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और अपने सिद्धांतों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

नाटक में मंगल पाण्डे की भूमिका में राहुल चौरसिया के शानदार अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंग्रेज अधिकारी हियरशन की भूमिका में तुषार पांडेय और मुखिया की भूमिका में अनुपम पाण्डेय के अभिनय की भी सराहना हुई। इसके अलावा रितिक गुप्ता, यश गुप्ता, प्रियांशु चतुर्वेदी, रिया वर्मा, भाग्यलक्ष्मी, खुशी कुमारी, लक्की पाण्डेय, रेखा , आरती, सुशील तिवारी, करन, साहिल चौरसिया भी अपनी भूमिका में शानदार रहे।

उप्र : कुशीनगर में तिलक समारोह से लौट रहे परिवार की वैन ट्रेलर से टकराई, सात की मौत, दो गंभीर

कुशीनगर।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। हाटा कोतवाली क्षेत्र के हाटा-पिपराइच मार्ग पर थरुआडीह के पास पेट्रोल पंप के नजदीक ओमनी वैन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वैन के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।



मुख्यमंत्री ने कुशीनगर सड़क हादसे का लिया संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, मृतकों के परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने को कहा है।

कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलुही गांव निवासी प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद अपने परिवार और परिचितों के साथ देवराज पिपरा में एक रिश्तेदार के यहां आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी लोग देर रात ओमनी वैन से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान हाटा कोतवाली क्षेत्र के थरुआडीह के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से वैन की जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद वैन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई।

हादसे में कन्हैया प्रसाद, उनके पिता रामबेलास, राम मिलन और आयुष समेत सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य शामिल हैं। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे की खबर भलुही गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। जिस परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से

57 क्विंटल सरकारी राशन गायब, निलंबित कोटेदार पर एफआईआर दर्ज

अमेठी।

गरीबों के हिस्से का सरकारी राशन हड़पने के मामले में उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में जामों विकासखंड की ग्राम पंचायत राजामऊ के निलंबित कोटेदार पचईराम के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच में दुकान से 57.24 क्विंटल गेहूं-चावल और 45 किलोग्राम चीनी गायब मिली है। जिलाधिकारी के निर्देश और अनुमति के बाद पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर थाना जामों पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

मामले का खुलासा ग्रामीणों की शिकायत के बाद हुआ। आरोप था कि कोटेदार ने सितंबर माह का राशन वितरित करने के नाम पर उपभोक्ताओं से ई-पॉश मशीन पर अंगूठा लगवा लिया, लेकिन उन्हें खाद्यान्न नहीं दिया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और जिलाधिकारी से शिकायत कर राशन हड़पने का आरोप लगाया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में वितरण संबंधी अनियमितताएं मिलने पर जिलाधिकारी के अनुमोदन से 14 अक्टूबर को पचईराम की उचित दर दुकान निलंबित कर दी गई थी। दुकान को घाटमपुर के कोटेदार महेश कुमार से संबद्ध करते हुए शेष खाद्यान्न, ई-पॉश मशीन और अन्य उपकरण सौंपने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, महेश कुमार ने अवशेष राशन नहीं मिलने की शिकायत की। इसके बाद 27 अक्टूबर को पूर्ति निरीक्षक सत्येंद्र प्रसाद ने दुकान का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान अभिलेखों और मौके पर उपलब्ध खाद्यान्न में भारी अंतर मिला। अभिलेखों के अनुसार दुकान में 31.29 क्विंटल गेहूं और 46.95 क्विंटल चावल होना चाहिए था, जबकि मौके पर केवल आठ क्विंटल गेहूं और 13 क्विंटल चावल मिला।

इस प्रकार 23.29 क्विंटल गेहूं और 33.95 क्विंटल चावल समेत कुल 57.24 क्विंटल खाद्यान्न कम पाया गया। इसके अतिरिक्त 45 किलोग्राम चीनी भी गायब मिली।

असम के कामरूप अमिनगांव में रात-रात घर-घर पहुंची असम पुलिस, किरायेदारों के सत्यापन के लिए चलाया विशेष अभियान



असम। असम के कामरूप जिला में असम पुलिस ने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से अमिनगांव क्षेत्र में किरायेदार सत्यापन के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान कामरूप जिले के पुलिस टीमें रात में घर-घर पहुंचीं और मकान मालिकों से किरायेदारों की पूरी जानकारी दर्ज करने का आग्रह किया। पुलिस का मानना है कि किरायेदार की पहचान और आवश्यक जानकारी उपलब्ध न होने पर कुछ लोग इसका फायदा उठाकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इसलिए मकान मालिकों को किरायेदार रखने से पहले उनकी पहचान पूरी तरह सुनिश्चित करने और पुलिस को समय पर सूचित करने के लिए जागरूक किया गया।

अभियान में मकान मालिकों से कहा गया कि वे प्रत्येक किरायेदार का स्थायी पता, कार्यरत संस्था का विवरण, आधार कार्ड, पैन कार्ड और मोबाइल नंबर सहित आवश्यक दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध कराएं। साथ ही किराए के घर वाले परिसर में कमरों की संख्या और मकान मालिक की पूरी जानकारी भी दर्ज कराई जाएगी। हाल ही में यह विशेष अभियान अमिनगांव के पानीपारा और मध्यम चुबुरी इलाकों में चलाया गया। पुलिस ने मकान मालिकों को बताया कि किरायेदार की पहचान छिपाना या बिना सत्यापन के उन्हें आश्रय देना सुरक्षा के लिहाज से जोखिम भरा हो सकता है। असम पुलिस पहले से ही किरायेदार सत्यापन को एक नागरिक सेवा के रूप में उपलब्ध कराती है, जिसमें किरायेदार का पता, पहचान प्रमाण और संपर्क विवरण जमा कर पुलिस से सत्यापन कराया जा सकता है। यह अभियान कामरूप पुलिस के उप-पुलिस अधीक्षक तिंकू ज्योति चौधरी, देवर्षि दास और दीपक शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

इसमें हाजो थाना प्रभारी रूपम हजारिका, चांगसारी थाना प्रभारी अपूर्व कलिता, अमिनगांव पुलिस चौकी प्रभारी अबिनाश सैकिया, अन्य एक अधिकारी योगेश कलिता ओर ददरा पुलिस चौकी प्रभारी विशाल बर्मन सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल थे।कामरूप पुलिस ने कहा कि अपराध रोकने में जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इसलिए मकान मालिकों से अपेक्षा की गई है कि वे अधिक सतर्क और जिम्मेदार बनें ताकि कोई अपराधी किराये के घर में छिपकर असामाजिक या आपराधिक गतिविधि न कर सके। कामरूप पुलिस के अनुसार, यह जागरूकता अभियान एक बार की कार्रवाई नहीं है, बल्कि इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। इसका उद्देश्य है कि क्षेत्र में किरायेदार सत्यापन की प्रक्रिया को नियमित बनाया जाए और अपराध की संभावना को पहले ही रोका जा सके।

भोजपुर में एक सप्ताह में 353 गिरफ्तार, 3951 लीटर अवैध शराब बरामद



आरा। भोजपुर जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने 25 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 353 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 3951.17 लीटर देसी और विदेशी अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से एक नवंबर को जारी साप्ताहिक प्रतिवेदन में यह जानकारी दी गई है।

प्रतिवेदन के अनुसार, इस अवधि में हत्या के प्रयास के मामलों में चार, हत्या के मामलों में 21, अपहरण के मामलों में 10, एनडीपीएस एक्ट में आठ तथा आर्म्स एक्ट के मामलों में आठ आरोपित गिरफ्तार किए गए। शराब के साथ 35 और शराब सेवन के आरोप में 146 लोगों को गिरफ्तार किया गया। विभिन्न मामलों में 19 अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी हुई, जबकि वारंट के आधार पर 93 गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस ने इस दौरान 800.90 लीटर देसी और 3150.27 लीटर विदेशी शराब बरामद की। इसके अलावा 619 वारंट का निष्पादन और 30 मामलों में कुर्की की कार्रवाई की गई। वाहन जांच एवं जुर्माने के माध्यम से 10 लाख पांच हजार 500 रुपये की राशि वसूल की गई। अभियान के दौरान आठ मोटरसाइकिल, 12 मोबाइल, तीन अपहृता, 1101.5 ग्राम हेरोइन, 160.55 ग्राम गांजा, 26,034 रुपये नकद, 40.36 ग्राम सोने का लॉकेट, एक ट्रैक्टर, दो ट्रक और 865 बालू सहित अन्य सामान बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त कांसा का एक कटोरा, दो थाली, एक तसला और बांस का एक डंडा भी जब्त किया गया। अलग-अलग मामलों में 3,18,847 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस प्रतिवेदन के अनुसार, गीधा थाना कांड संख्या 251/26 में 40.33 ग्राम गांजा, 1230 रुपये और एक मोबाइल के साथ एक आरोपित गिरफ्तार किया गया। सहार थाना कांड संख्या 195/26 में 65.50 ग्राम हेरोइन, एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल और 7800 रुपये के साथ चार आरोपित पकड़े गए। आरा नगर थाना कांड संख्या 747/26 में 71 ग्राम गांजा, 5907 रुपये और एक मोबाइल के साथ एक आरोपित गिरफ्तार हुआ। 804/26 में 1.036 किलोग्राम हेरोइन, एक लीटर रासायनिक द्रव्य, 40.36 ग्राम सोने जैसी पीली धातु, एक मोबाइल और 2,98,110 रुपये के साथ चार आरोपित गिरफ्तार किए गए।

कंटेनर की टक्कर से पुलिस की गाड़ी खाई में गिरी, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर और ड्राइवर की मौत

रत्नागिरि। महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के लांजा तालुका में मुंबई-गोवा नेशनल हाईवे पर शनिवार देर रात अंजनारी पुल के पास एक भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। लोहे की छड़ें ले जा रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक, हथखंबा हाईवे ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी बोलेरो गाड़ी से पीछे से टकरा गया। टक्कर के बाद बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई।

इस हादसे में असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) संतोष अप्पासाहेब गायकवाड़ (51) और कंटेनर चालक की भी मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, हथखंबा ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी गाड़ी अंजनारी पुल के नीचे नदी में एक वाहन के गिरने की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल की ओर जा रही थी।

इसी दौरान, लोहे की छड़ें ले जा रहा का एक कंटेनर ट्रक पीछे से पुलिस की गाड़ी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई।

कंटेनर ट्रक भी सड़क से उतरकर खाई में पलट गया। इस हादसे में दो पुलिस कांस्टेबलों और एक असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हीना ने एडीए की परीक्षा पास कर नाम रोशन किया मेवात का: संत सिंह हुड्डा



फरीदाबाद

कारी विद्यालय के सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक आस मोहम्मद की सुपुत्री हीना ने हरियाणा राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर मेवात पुनहाना गांव ठैक व फरीदाबाद ओर पैतृक गांव सुतारी बुलंदशहर का नाम रोशन किया। हिना ने सहायक जिला अटॉर्नी की परीक्षा पास की है। आस मोहम्मद मुख्याध्यापक के चार बच्चे हैं चारों काबिल है। दोनों बेटे वसीम अहमद व तशीम अहमद कनाडा में पढ़ाई कर वहीं पर इंजीनियर की नौकरी कर रहे हैं। परिवार सहित वहीं रहते हैं। दोनों बेटियों की शादी मेवात में हुई है। दोनों बेटियां कानून की पढ़ाई कर वकालत कर रही है। बड़ी बेटी हिना ने हाल ही में एडीए की परीक्षा पास कर मेवात का नाम रोशन किया है। बड़ा दामाद अख्तर हुसैन गुरुग्राम कोर्ट में प्रसिद्ध वकील हैं। छोटी बेटी रोजी भी कानून की पढ़ाई कर वकालत कर रही है। छोटा दामाद राशीद हुसैन भी जींद जिले में एडीए सहायक जिला अटॉर्नी के पद पर कार्यरत है। हुसैन ने भी मेवात का नाम रोशन किया है। हिना की एचपीएससी की परीक्षा पास करने की खुशी में बल्लबगढ़ सुभाष कालोनी में उनके पिता के घर स्वागत व अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आसपास के गणमान्य व्यक्तियों व पार्षदगण, नेताओं एवं सामाजिक संस्था के पदाधिकारीयों ओर सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान समाजसेवी शिक्षाविद सन्तसिहं हुड्डा ने संस्था की टीम के साथ पुष्प गुच्छ व पौधा भेंट कर स्वागत व अभिनंदन करते हुए कहा कि आस मोहम्मद ने सरकारी स्कूल के मुख्याध्यापक रहते हुए बड़ी ईमानदारी व कर्मठता से पूरे जीवन नौकरी कर अपने चारों बच्चों को अच्छी तालीम देकर पढ़ाकर ईमानदारी व देश सेवा का पाठ पढ़ाया है।

उसी की बदौलत आज चारों बच्चे काबिल हुए हैं। यह बड़ी उपलब्धि है। हिना ने सहायक जिला अटॉर्नी की परीक्षा पास कर मेवात व अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। इस मौके पर धौज निवासी समाजसेवी जमशीद ने कहा कि मुख्याध्यापक आस मोहम्मद चार भाई है। मेहरुद्दीन, समी खां भोले खां चारों के बच्चे अच्छी पढ़ाई कर काबिल हो रहे हैं। इस मौके पर आस -पास क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, नेतागण, समाजसेवी, शिक्षाविद, पार्षदगण मौजूद रहे सभी हिना व पूरे परिवार को शुभकामनाएं देकर बंधाईयां देते हुए कहा कि हिना अपने माता-पिता का ही नहीं फरीदाबाद व मेवात व पैतृक गांव सुतारी बुलंदशहर का नाम भी रोशन किया है। हम सभी को इस परिवार व बेटी हिना पर गर्व है।

सार संक्षेप

गुढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई मारपीट और गुंडागर्दी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

रीवा। जिले थाना गुढ़ पुलिस को गुंडागर्दी और मारपीट के मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उन्हें केंद्रीय जेल रीवा में निरुद्ध किया गया है।

यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रीवा गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा और एसडीओपी मुख्यालय उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में की गई।घटना के संबंध में बताया गया कि आरोपियों द्वारा एकजुट होकर क्षेत्र में मारपीट, गाली-गलौज और गुंडागर्दी की घटना को अंजाम दिया गया था।जिस पर थाना गुढ़ में अपराध क्रमांक 244/2026 धारा 296(ख), 115(2), 119(1), 126(2), 3(5), 324(4), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी गुढ़ द्वारा तत्काल एक विशेष टीम गठित की गई और चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में लालजी पाण्डेय पिता प्रमोद कुमार पाण्डेय निवासी नर्रहा थाना गुढ़, कार्तिकेय सिंह उर्फ साहिल सिंह उर्फ वांटेड पिता राजनारायण सिंह निवासी कोठी थाना मनगवां, रोहिल सिंह उर्फ सुदीप सिंह पिता राजेश सिंह निवासी अहिरगांव थाना मनगवां और दीपेश शुक्ला पिता सुदामा प्रसाद शुक्ला निवासी नर्रहा थाना गुढ़ शामिल हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गुढ़ पुष्पेन्द्र सिंह यादव, सउनि अभयराज सिंह, प्रआर राकेश वर्मा, प्रआर अयोध्या प्रजापति, प्रआर द्वारिका पटेल, प्रआर मनोज निनामा, प्रआर भूपेन्द्र करोसिया सहित आरक्षक सुधीर शुक्ला, अनिल कुमार, राजकुमार गुप्ता, विपिन यादव और महिला आरक्षक पूजा परमार, शालिनी मिश्रा तथा सैनिकों की सराहनीय भूमिका रही।थाना प्रभारी गुढ़ पुष्पेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि क्षेत्र में गुंडागर्दी और मारपीट जैसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था को तबाह कर रहा है रूस, अंधेरे में हजारों परिवार : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि शनविार रात रूस ने निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा व्यवस्था पर हमला कयिा। उन्होंने बताया कि देश के अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भी रूस लगातार नशिाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट किया, 'रूस ने चार क्षेत्रों निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया। लोगों के घरों तक बिजली पहुंचाने वाले सबस्टेशन, ट्रांसफॉर्मर और बिजली की लाइनें निशाना बनाई गईं।

मरम्मत दल हर जगह काम कर रहे हैं। फिलहाल लाखों तो नहीं, सैकड़ों-हजारों परिवार अब भी बिजली के बिना हैं।'' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी रूस के बड़े हमले लगातार जारी हैं। पिछले एक हफ्ते में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने वाले 1,940 ड्रोन, 1,580 से ज्यादा गाइडेड एरियल बम और विभिन्न प्रकार की 44 मिसाइलें दागी हैं, जिनमें 36 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। हमलों की तीव्रता बेहद ज्यादा है और रूस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टरों की कमी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हम हर दिन अमेरिका, यूरोप और उन अन्य साझेदार देशों से पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारी मदद कर सकते हैं। इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अतिरिक्त सहायता पैकेजों को लेकर नए फैसले भी किए हैं, लेकिन इनकी डिलीवरी में वर्षों नहीं लग सकते। रूस अभी हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रहा है और हमारे लोगों की जान ले रहा है और वह इस सर्दी में बैलिस्टिक मिसाइलों पर दांव लगा रहा है।

जेलेंस्की ने कहा कि इसीलिए हवाई रक्षा से जुड़े फैसलों को भी तुरंत लागू किया जाना चाहिए। यूक्रेन के आसमान की सुरक्षा में हमारा साथ देने वाले सभी लोगों का मैं धन्यवाद करता हूं।

असम पुलिस के 19 जांबाजों को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक



असम। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वर्ष 2026 के लिए प्रतिष्ठित केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक की घोषणा की है। इस सम्मान में असम पुलिस के 19 अधिकारियों और जवानों को शामिल किया गया है। इनमें गुवाहाटी पुलिस कमिश्नर डॉ. पार्थ सारथी महंता भी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 31 अक्टूबर 2026 को घोषणा की कि देश के विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (उअढत्रह्र) तथा केंद्रीय पुलिस संगठनों (उढडर) के कुल 490 कर्मियों को यह पदक दिया जा रहा है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता दिवस, यानी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर घोषित किया जाता है। असम पुलिस के इस साल चुने गए 19 कर्मियों में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर मैदानी स्तर के जवानों तक शामिल हैं। प्रमुख नामों में गुवाहाटी पुलिस कमिश्नर डॉ. पार्थ सारथी महंता, एसएसपी प्रणब कुमार पेगू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक और अतिरिक्त डीसीपी अनुराग शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा अतिरिक्त एसपी रोजी तालुकदार समेत इंस्पेक्टर कमलेश सिंह, भास्कर मल्ला पटोवारी, चंदन ज्योति बोरा, विक्रम बसुमतारी, डॉ. शंकर ज्योति नाथ और कपिल पाठक भी पुरस्कार सूची में हैं। पुरस्कृत अन्य पुलिसकर्मियों में रोहित दास, अंखुमी कलिता, डेजी नाथ, जीतुमणि राभा, प्रणब ज्योति भट्टाचार्य, अहमद अली, कमल बोरा और बकुल मेधी शामिल हैं। सूची में डॉ. वी. शिवा प्रसाद गंजाला, कमल चंद्र राजबंशी, पृथ्वीराज राजखोवा और मौती बसुमतारी के नाम भी दर्ज हैं। इस पदक को पुलिस बलों, सुरक्षा संगठनों, खुफिया इकाइयों, विशेष शाखा तथा फॉरेंसिक विज्ञान क्षेत्र के कर्मियों को विशेष अभियान, जांच, खुफिया सेवा और फॉरेंसिक कार्य में उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है। ह्यकेंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदकह्ल की शुरूआत 1 फरवरी 2024 को की गई थी। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों के पेशेवर कौशल, ईमानदारी, जनता के हित में किए गए कार्य और अपराध जांच में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष के कमिश्नर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप निरीक्षक और कांस्टेबल स्तर के कर्मी शामिल हैं।

2022 में टिहरी गढ़वाल की पांच सीटों पर भाजपा का कब्जा, एक सीट पर कांग्रेस को मिली थी जीत



देहरादून। उत्तराखंड में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों की ओर से भी कमर कसी जा रही है। अगर राज्य के टिहरी गढ़वाल जिले की छह विधानसभा सीटों, घनसाली (सुरक्षित), देवप्रयाग, प्रतापनगर, नरेंद्रनगर, टिहरी और धनोल्टी, की स्थिति को देखें तो यहां 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार प्रदर्शन किया था। घनसाली (सुरक्षित) :- 2022 में इस सीट पर भाजपा के शक्ति लाल शाह ने कांग्रेस के धनी लाल शाह को 10,285 वोटों से हराया था। भाजपा उम्मीदवार शक्ति लाल शाह को 20,949 वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर कांग्रेस प्रत्याशी धनी लाल शाह को 10,664 वोट मिले थे। इस सीट पर भाजपा की स्थिति काफी अच्छी लग रही है। यहां बीते 15 वर्षों से भाजपा का कब्जा है। देवप्रयाग :- पिछली बार इस सीट पर भाजपा के विनोद कंडारी ने उत्तराखंड क्रांति दल के उम्मीदवार दिवाकर भट्ट को 2,588 वोटों से हराया था। भाजपा के विनोद कंडारी को 17,330 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रहे उत्तराखंड क्रांति दल के दिवाकर भट्ट को 14,742 वोट मिले थे। इस सीट पर तीसरे नंबर पर कांग्रेस के मंत्री प्रसाद नैथानी थे। उन्हें 13,585 वोट मिले थे। यह राज्य की सबसे दिलचस्प, अप्रत्याशित और राजनीतिक रूप से जागरूक सीटों में से एक मानी जाती है। इस सीट पर बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत हुई है।

प्रतापनगर :- पिछली बार इस सीट को कांग्रेस ने जीती थी। यहां का राजनीतिक समीकरण बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रूप से बदलाव वाला रहा है। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता आया है। कांग्रेस के विक्रम सिंह नेगी ने भाजपा के विजय सिंह पंवार उर्फ गुड्डू भाई को 2,341 वोटों से हराया था। विक्रम सिंह नेगी को 19,131 वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर रहे भाजपा के उम्मीदवार विजय सिंह पंवार को 16,790 वोट मिले थे। यहां के मतदाता किसी उम्मीदवार का चेहरा नहीं देखते, बल्कि व्यक्तिगत संघर्ष, स्थानीय पकड़ और सामाजिक समीकरण भी मायने रखते हैं।

नरेंद्रनगर :- इस सीट पर भाजपा का कब्जा है। यहां से 2022 में भाजपा के सुबोध उनियाल ने कांग्रेस के ओम गोपाल को 1,798 वोटों से हराया था। सुबोध उनियाल को 27,430 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के ओम गोपाल को 25,632 वोट मिले थे। यह सूबे की सबसे हाई प्रोफाइल और दिलचस्प सीटों में से एक है। इस सीट पर ग्रामीण मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं।

टिहरी :- पिछली बार यहां से भाजपा उम्मीदवार की जीत हुई थी। भाजपा के किशोर उपाध्याय ने उत्तराखंड जन-एकता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश धन्ना को 951 वोटों से हराया था। किशोर उपाध्याय को 19,802 वोट मिले थे।

यातायात माह का भव्य शुभारंभ, सुरक्षित यातायात का दिया संदेश



प्रयागराज। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से 01 से 30 नवंबर तक आयोजित यातायात माह का शुभारंभ रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन, सिविल लाइंस, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडलायुक्त लोकेश यम तथा विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा रहे। पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया, अपर पुलिस आयुक्त विजय धुल, डॉ. अजय पाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त यातायात सहित गंगापार, यमुनापार एवं नगर के डीसीपी और सभी एसीपी मौजूद रहे।

मंडलायुक्त ने कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट और गति सीमा का पालन जीवन रक्षा से जुड़ा है, इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन, पुलिस और नागरिकों का सामूहिक प्रयास जरूरी है। पुलिस आयुक्त ने दोपहिया पर हेलमेट और चारपहिया पर सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने की अपील की। इस दौरान यातायात जागरूकता रैली निकाली गई।

पुलिस उपायुक्त यातायात के आमंत्रण पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के उपाध्यक्ष डॉ. आर.एस. वर्मा (सेवानिवृत्त आईएएस) एवं सचिव संतोष कुमार के नेतृत्व में समिति की ओर से कुलदीप धार, विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, अजीत कुमार सिन्हा, अर्जुन सिंह, राजेश निषाद, राकेश शर्मा, विक्रम पासवान, संजय उपाध्याय, संजय शुक्ला, शकील अहमद खान, कयामुद्दीन, इकबाल हुसैन, मोहम्मद अहमद नूर, आर.ए. फारूकी, यासीन अहमद, मोहम्मद हलीम, अमित कुशवाहा, प्रेमचंद स्वर्णकार, अजय रघुवंशी, राकेश निषाद, श्रवण गौड़, रवि कुशवाहा एवं रोहित सिंह सहित अन्य सदस्यों ने जागरूकता रैली में सहभागिता की। महिला पदाधिकारियों में भावना त्रिपाठी, डॉ. अंशु अग्रवाल, नौनिहाल, जीशान अहमद, सना खान सहित अन्य सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। रैली में नशे में वाहन न चलाने और मोबाइल का प्रयोग न करने का संदेश दिया गया।

पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की बड़ी रैली, राहुल गांधी होंगे शामिल: विजय इंदर

संगरूर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 4 नवम्बर को पंजाब में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। इसे लेकर पंजाब के संगरूर में तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान राहुल गांधी पंजाब सरकार पर कानून-व्यवस्था और ड्रग्स को लेकर निशाना साध सकते हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान विजय इंदर सिंगला ने कहा कि संगरूर में 4 नवम्बर को सुबह 10 बजे कांग्रेस की रैली होगी। इसमें राहुल गांधी शामिल होंगे। यह एक ऐतिहासिक रैली होगी और 2027 विधानसभा चुनाव का आगाज होगा। पंजाब के मुद्दों से हम सभी वाकिफ हैं। पंजाब और पंजाब के लोग ऐसा पंजाब नहीं चाहते थे, जैसा पंजाब आज हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले 5 वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उससे ड्रग्स का नशा घर-घर तक पहुंच गया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति हम सभी देख रहे हैं। गैंगस्टर फिरौती मांग रहे हैं। पुलिसकर्मियों समेत आम लोगों की दिनदहाड़े हत्या की जा रही है। ये सभी मुद्दे हैं, जो जनता के सामने हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बकरियों, मुर्गियों और फसलों आदि का मुआवजा देने, रोजगार उपलब्ध कराने और लोगों के मन में उम्मीद जगाने की बात कही गई थी लेकिन 5 वर्षों में यह सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। हाल ही में दो विधायक आम आदमी पार्टी छोड़कर जा चुके हैं और न जाने कितने अन्य जाने वाले हैं।

विजय इंदर सिंगला ने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी 10 से अधिक सीटें नहीं जीत पाएगी। कांग्रेस पंजाब को एक अच्छा शासन देगी, जिसमें युवाओं का बेहतर भविष्य सुनिश्चित होगा।



ब्रजभूमि

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

भगवान श्रीकृष्ण धन्य हैं, उनकी लीलाएं धन्य हैं और इसी प्रकार वह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानस रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं कीं।

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है।

अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाह सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं।

इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की सराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कह्यौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

कैलाश परिक्रमा से मिट जाते हैं जन्मों के कष्ट

तिब्बत स्थित कैलास पर्वत को शास्त्रों में कैलास को मेरू गण पर्वत, रजतगिरि आद नामा से भी वर्णित किया गया है। इतना ही नहीं कैलास पर्वत शिव आराधना का सर्वोच्च स्थल भी माना गया है। सनातन धर्म के अनुसार यह भगवान आशुतोष व पार्वती का स्थायी निवास है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव व पार्वती के नृत्य करने से इसका नाम कैलास हुआ। उपासकों का मत है कि स्वयं भू कैलास पर भगवान शंकर का विशाल राजप्रसाद है। जहां केवल ब्रह्म, विष्णु एवं महेश आदि देवों का ही प्रवेश संभव है। कैलास न केवल सनातनधर्मियों बल्कि जैन, बौद्ध व तिब्बितयों के लिए प्रारंभ से ही श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

यहां विराट एवं अतिभव्य लिग शदल कमल के मध्य में अवस्थित है। इस पवित्र लिग पर सदैव त्रिपुंड की रचना प्रकृति के पावन करों से होती है। तिब्बती भाषा में कैलास को पवित्र हिम से जाना जाता है। यही कारण है कि तिब्बती कैलास परिक्रमा दंडवत लेट-लेट कर पूर्ण करते हैं। कैलास परिक्रमा मार्ग दरचन से प्रारंभ होता है जो लगभग 54 किलोमीटर का है। मार्ग के क्रम में न्याडीगुम्का, दिराफुक, दोल्माघाटी, गौरीकुंड व जुन्धुलुफुक आदि मनोहारी व रमणीक स्थल पड़ते हैं। इनमें समुद्र तल से 18600 फीट की ऊंचाई पर स्थित दोल्माघाटी कैलास परिक्रमा का सर्वोच्च उच्च स्थल है। 14600 फीट की ऊंचाई पर कैलास से 20 मील पूर्व ही दो पवित्र सरोवर राक्षसताल व मानसरोवर बरबस ही उपासकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राक्षसताल के संबंध में वर्णित है कि इसी स्थल पर लंकापति रावण ने खड़े होकर भगवान आशुतोष की अर्चना की थी जबकि मानसरोवर में भगवती सती की दाहिनी हथेली गिरी थी। ऐसा मत है कि यहां की शक्ति दाक्षयाणी व भैरव अमर हैं। ग्रीष्म ऋतु में मानसरोवर के पवित्र जल में तैरते हुए राजहंस व उत्ताल तरंगों की सुमधुर ध्वनि शैल शिखरों से प्रतिध्वनित होकर उत्पन्न नैसर्गिक संगीत का खुशनुमा वातावरण उपासकों को प्रकृति व अध्यात्म के समीप खींच लाती है जिससे उपासक को अलौकिक शांति का अनुभव होता है। जैन ग्रंथों में जहां मानसरोवर को पद्मपद से वर्णित किया गया है। मानसरोवर के पश्चिम में स्थित राक्षसताल की छटा ही निराली है। मानसरोवर स्थित मां शक्ति की प्रतिमा पाषाण रूप में है। जहां मां भगवती की अर्चना होती है। विभिन्न साहित्यकारों व कवियों ने अपने साहित्य में मानसरोवर की महत्ता का सुंदरतम वर्णन किया है जिनमें कवि कालिदास के मेघदूत आदि ग्रंथ मुख्य हैं। कैलास के अप्रतिम सौंदर्य व भगवान शंकर के सर्वोच्च उपासना स्थल होने के कारण उपासक प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक कैलास परिक्रमा हेतु जाते हैं। पुराण में वर्णित है कि कैलास की एक प्रक्रिमा से ही जन्म- जन्मांतर के पाप कर्म देर हो जाते हैं।



दांम्पत्य जीवन को बनाएं तनावरहित

आज का यह बदलता परिवेश सिर्फ जीवनशैली में ही प्रभाव नहीं डालता अपितु वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सबब बन रही है। कई दम्पतियों में आपसी सामंजस्य एवं प्रेम का अभाव देखने को मिल ही जाता है। दम्पति में नौबत तलाक तक भी पहुंच जाती है। ऐसे में न सिर्फ प्रभावित दम्पति, वरन् पूरा परिवार परेशान हो जाता है। दाम्पत्य जीवन में सुख के लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं-

- यदि किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री के कारण दाम्पत्य क्लेशपूर्ण बन रहा है, तो 7-7 गोमती चक्र, लघु नारियल एवं लघु शंख लें। इन्हें सवा गज के नए पीले वस्त्र में बांध लें। इसे प्रभावित (पति अथवा पत्नी) पर से सात बार उसार का बहते पानी में बहा दें। बहाने के बाद पीछे मुड़कर देखे बगैर सीधे घर लौट आएं।
- यदि दम्पति अथवा समूचे परिवार में वैचारिक मतभेद रहता है, तो प्रातःकाल उठते ही जिस मटके से परिवार के सभी सदस्य जल पीते हैं, उससे एक लोटा पानी भरें और उसे पूरे घर के प्रत्येक कक्ष में तथा छत पर छिड़कें। इस दौरान किसी से बात नहीं करें, साथ ही मन ही मन ॐ शांति का निरंतर उच्चारण करते रहें।
- परिवार में यदि पति-पत्नी के मध्य क्लेश रहता हो अथवा अन्य पारिवारिक सदस्यों के मध्य वैचारिक मतभेद अधिक रहते हों, तो प्रतिदिन इस मंत्र का 108 बार जपें-

धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु॥

- नवरात्र, दीपावली किसी भी शुभ मुहूर्त में घर में तुलसी का पौधा लगाएं। उसमें प्रतिदिन सायंकाल घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे परिवार अथवा प्रभावित दम्पति में सुख-शांति कायम रहेगी।

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नहीं होता। अच्छे कैरियर के लिए युवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नहीं कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक 1 होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते हैं।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते हैं-

1. अगर आप कर्ज की प्रथम किश्त शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप ऋ+ण से मुक्ति पा लेंगे।
2. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
3. मंगलवार को कभी क़र्ज़ न लें।
4. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
5. कभी भी बुधवार को क़र्ज़ न दें।
6. 5 मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में 5-5 पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
7. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
8. प्रत्येक मंगलवार ऋ+ण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
9. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
10. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
11. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन में रंगों को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता हे कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते हैं एवं हमारे स्वास्थ्य, चितन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है।प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवारः सफेद	**मंगलवारः लाल**
बुधवारः हरा	**गुरुवारः पीला**
शुक्रवारः सफेद	**शनिवारः काला**
रविवारः नारंगी	

यातायात माह के उद्घाटन समारोह में डीडीए आरडब्लूए फेडरेशन शामिल

दीप प्रज्वलित करके और गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया



नोएडा।। डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन गौतम बुद्ध नगर ने 1 नवंबर को आयोजित होने वाले 'यातायात माह' के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर पुलिस विभाग और यातायात विभाग के समक्ष मुख्य रूप से निवासियों और यात्रियों की दैनिक समस्याओं से जुड़े निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं को रखा।

प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाना।

सक्रिय तैनातीः व्यस्त समय के दौरान सेक्टर-37, सेक्टर-57 चौराहा, महामाया फ्लाईओवर, नोएडा एक्सप्रेसवे एंट्री पॉइंट्स, सेक्टर-52 यू-टर्न और स्पेक्ट्रम मॉल (सेक्टर-75) जैसे अत्यधिक जाम वाले हॉटस्पॉट पर यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने हेतु अनुरोध किया।

ट्रैफिक मार्शलों का सहयोगः फेडरेशन की तरफ से यातायात को सुचारू बनाने के लिए नागरिक स्वयंसेवकों या ट्रैफिक मार्शलों की सेवा देने का प्रस्ताव फिर से रखा गया। अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

सड़क किनारे अवैध पार्किंगः मेट्रो स्टेशनों (जैसे बॉटनिकल गार्डन, वेव सिटी सेंटर, सेक्टर-62) और प्रमुख बाजारों (जैसे होशियारपुर मार्केट) के बाहर सड़कों पर होने वाली अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ क्रेन व ई-चालान की निरंतर कार्रवाई की मांग की जाए। व्यावसायिक वाहनों का अनुशासनः ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और बसों द्वारा मुख्य सड़कों के बीच में या अनधिकृत जगहों पर सवारी उतारने/चढ़ाने पर रोक लगाने के लिए विशेष बूथ या लेन निर्धारित की जाएं।

वाहनों के नए नियमों और प्रदूषण प्रतिबंधों पर स्पष्टता व सहयोग।*

दिल्ली में प्रवेश पर गैर-इर6 प्रतिबंधः 1 नवंबर से दिल्ली में गैर-इर6 (विशेषकर डीजल) वाहनों के प्रवेश पर कड़े प्रतिबंधों को देखते हुए नोएडा-दिल्ली सीमाओं (चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज) पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन और डायवर्जन बोर्ड लगाए जाएं।

ढवउउ और 'नो फ्यूल' जागरूकताः प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (ढवउउ) अनिवार्य किए जाने के कारण निवासियों के बीच जागरूकता अभियान चलाने में पुलिस आरडब्ल्यूए का सहयोग ले।

4. बुनियादी ढांचा और तकनीकी सुधार।

स्मार्ट सिग्नल्स की मांगः

कई व्यस्त कट और चौराहों (जैसे सेक्टर 47/107) पर वाहन चारों तरफ से आ जाते हैं, वहां नए ट्रैफिक सिग्नलों को जल्द चालू करने और खराब सिग्नलों को तुरंत ठीक करने की मांग रखी जाए।

बकरा गैंग के बदमाश कमल उर्फ कमलुआ उर्फ कल्लू को मुठभेड़ में लगी गोली



ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस द्वारा प्यावली डैम के पास चेकिंग की जा रही थी। तभी चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा सामने से आ रही एक संदिग्ध बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस टीम को देखकर उक्त मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेजी से मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल का पीछा किया गया तो मोटरसाइकिल सवार बदमाश द्वारा स्वयं को घिरता हुआ देखकर मोटरसाइकिल से उतरकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही में उक्त बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान कमल उर्फ कमलुआ उर्फ कल्लू पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम जगन्नाथपुर, थाना गुन्नौर, जनपद सम्भल, उम्र करीब 28 वर्ष के रुप में हुयी है।

बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा मय 01 जिंदा व 01 खोखा कारतूस व चोरी के बकरे बेचकर प्राप्त हुए 7560 रुपये बरामद हुए है। घायल बदमाश को उपचार हेतु अस्पताल भेजा जा रहा है। बदमाश का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल के साथ मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश हेतु प्रयास किये जा रहे है। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि घायल अभियुक्त अपने साथियों के साथ मिलकर बकरा चोरी करने वाला एक संगठित गैंग संचालित करता है। गैंग के सदस्य मोटरसाइकिल से विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर उन स्थानों को चिन्हित करते थे, जहां बड़ी संख्या में बकरे रखे जाते हैं। इसके बाद रात्रि के समय चार पहिया वाहन से मौके पर पहुंचकर बकरों को चोरी कर लेते थे तथा चोरी किए गए बकरों को दिल्ली में बेच देते थे। बिक्री से प्राप्त धनराशि को गैंग के सदस्य आपस में बांट लेते थे। अभियुक्त एवं उसके गैंग द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बुलंदशहर, सम्भल सहित दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बकरा चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

थाना सेक्टर-63 पुलिस व शातिर बदमाशों के बीच मुठभेड़ में 2 बदमाश गोली लगने से घायल



नोएडा। बीती रात्री को थाना सेक्टर-63 पुलिस द्वारा सेक्टर-62 गोल चक्कर के पास चेकिंग की जा रही थी, तभी पुलिस टीम द्वारा सामने से आ रही 02 मोटरसाइकिल पर सवार 04 व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस टीम को देखकर उक्त मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेजी से मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर बहलोलपुर अण्डरपास से ग्रीन बेल्ट सर्विस रोड पर आगे चलकर मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा स्वयं को घिरता हुआ देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही में 02 बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गये।

घायल बदमाशों की पहचान 1- विकास उर्फ कालू उर्फ कल्लू पुत्र प्रमोद सिंह निवासी ग्राम मीठापुर, नियर एमसीडी टोल टैक्स, ओम एन्क्लेव, दिल्ली उम्र 27 वर्ष 2.राजेश उर्फ ढेडा पुत्र बिशना निवासी बसई, थाना फेस-3, नोएडा उम्र 38 वर्ष के रुप में हुयी है। बदमाशों के कब्जे से 01-01 अवैध तमन्चा .315 बोर मय 02 खोखा कारतूस .315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस तथा एक बुलेट मोटरसाइकिल सम्बन्धित मु0अ0सं0 395/2025 थाना फेस-3, नोएडा बरामद हुयी है। घायल बदमाशों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। बदमाशों के 02 अन्य साथी 3-शंकर शर्मा पुत्र रविन्द्र शर्मा निवासी ठेके वाली गली, बिकानेर के पास निकट सरकारी ट्यूबवैल, ग्राम सुत्याना, थाना ईकोटेक-3, गौतमबुद्धनगर, उम्र 20 वर्ष 4-कपिल कश्यप पुत्र रवि कश्यप निवासी ग्राम बसई थाना फेस-3, नोएडा उम्र 20 वर्ष को काम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से 01-01 अवैध चाकू व एक अपाचे मोटरसाइकिल सम्बन्धित मु0अ0सं0 526/2025 थाना सेक्टर-49, नोएडा बरामद हुई है। पुलिस टीम द्वारा जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उपरोक्त बदमाश शातिर किस्म के अपराधी है, जो आमजन को लिफ्ट देने के बहाने अपनी गाड़ी में बैठाकर उनके साथ लूट की घटना को अंजाम देते है और उनको सुनसान रास्तों पर छोड़कर फरार हो जाते है।

पुलिस आयुक्त कार्यालय, सेक्टर-108, नोएडा में दीप प्रज्वलित कर 'यातायात माह - 2026' का शुभारंभ





नोएडा। शासन के निदेर्शानुसार आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से हर वर्ष नवंबर माह को 'यातायात माह' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त श्री अजय कुमार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हेतु यातायात नियमों के बारे में जानकारी होना तथा उनका पालन करना अत्यंत आवश्यक है। यातायात माह के अवसर पर यातायात पुलिस द्वारा प्रवर्तन विभाग, ट्रैफिक वॉलिंटियर्स/ट्रैफिक एंजेल्स तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह 'स्मार्ट बनें झ सुरक्षा चुनें' एवं यातायात नियमों का पालन करें, जिससे दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यातायात माह के अवसर पर कॉलेज, अढख स्कूल व विवेकानंद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं व बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से 'सड़क सुरक्षा झ जीवन रक्षा' का संदेश दिया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों की सभी उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों द्वारा सराहना की गई। ळ१७ ठॅङ्ब के सहयोग से 'रोड़ सखी' अभियान का विमोचन किया गया जिसके माध्यम से महिलाओं में भी यातायात नियमों के प्रति जागरुकता लायी जायेगी।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम को अधिक ज्ञानवर्धक बनाते हुए ट्रैफिक स्टॉल भी लगाये गये जिसमें यातायात सम्बन्धी उपकरणों यथा-स्पीड रडार, डेसीबल मीटर, बॉडी वार्न कैमरा आदि प्रदर्शित कर उनके सम्बन्ध में जागरूक किया गया। इसके बाद पुलिस अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर यातायात जागरूकता रैली को रवाना किया गया। यह रैली पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-108 से प्रारम्भ होते हुए सेक्टर-105, सीएनजी पम्प चौक, हाजीपुर चौक, सेक्टर-47, 100, 107, प्रतीक बिल्डिंग तिराहा, सेक्टर-46, 47, 48, चौक से डी0एस0सी0 मार्ग होकर छलैरा, सेक्टर-37, बॉटनिकल गार्डन, सेक्टर-18 मार्किट, रजनीगंधा चौक, नयाबांस, सेक्टर-15 गोलचक्कर चौक, सेक्टर-15ए से डीएनडी चौक के नीचे यू टर्न करते हुए सेक्टर-14ए पर समाप्त हुई। पुलिस उपायुक्त यातायात सैयद अली अब्बास, डीसीपी नोएडा जोन श्रीमती प्रीति यादव, डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा जोन डॉ. प्रवीन रंजन सिंह, डीसीपी लाइन शैलेन्द्र कुमार सिंह, एडीसीपी यातायात श्रीमती मनीषा सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार मिश्रा व शेयर एनजीओ, जागृति फाउंडेशन, 7 एनजीओ।

32 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2026 शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2026 (ढएळ) के अंतर्गत आज दिनांक 01 नवंबर 2026 को जनपद गौतमबुद्धनगर के 32 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सकुशल ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित रही।

परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी तथा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि प्रथम पाली में जनपद के 32 परीक्षा केंद्रों पर कुल 14424 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 9892 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 4532 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, द्वितीय पाली में कुल 14424 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 9948 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया तथा 4476 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

रोजगार पाने का सुनहरा अवसर : आज दनकौर में लगेगा रोजगार मेला

ग्रेटर नोएडा। जिला सेवायोजन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीषा अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, गौतमबुद्धनगर द्वारा श्री द्रोणाचार्य (पीजी) कॉलेज, दनकौर, गौतमबुद्धनगर में प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

जनपद दीवानी न्यायालय में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का हुआ आयोजन



गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में समाज के सभी वर्गों को न्याय एवं समान अवसर उपलब्ध कराने तथा पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आज दीवानी न्यायालय परिसर, सूरजपुर में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव द्वारा रिबन काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश भी दिया गया।

शासन की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर में जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्य कर्मों से संबंधित विभागों के द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए। जनपद न्यायाधीश एवं मुख्य विकास अधिकारी ने प्रोबेशन विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, समाज कल्याण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि विभाग, जल शक्ति विभाग (नगरीय एवं ग्रामीण), पंचायती राज विभाग, स्वच्छ भारत मिशन-2, विभिन्न बैंकिंग योजनाओं, नेडा, जिला उद्योग केंद्र, कौशल विकास मिशन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, श्रम विभाग, चिकित्सा विभाग, वन विभाग, पूर्ति विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा नगरीय विकास विभाग (डूडा) सहित अन्य विभागों के स्टॉल का अवलोकन किया तथा विभागीय अधिकारियों से संचालित योजनाओं एवं लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

स्टॉल के माध्यम से आमजन को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं उनसे मिलने वाले लाभ के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे एक ही परिसर में विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, विधिक जागरूकता तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

स्केटिंग चैंपियनशिप में रुद्रांश राज ने रजत पदक जीता, नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया



ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित ग्रेनो बैण्डड ट्रैक पर आयोजित नॉर्थ जोन-1 कानपुर सेंट्रल संकरा स्केटिंग चैंपियनशिप में गौतमबुद्ध नगर के श्योराण इंटरनेशनल स्कूल के छात्र रुद्रांश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है।

गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित पीएनएन मोहन पब्लिक स्कूल की मेजबानी में 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ी अलग-अलग आयुवर्ग और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

रुद्रांश राज जिला विकास खेलकूद प्रोत्साहन समिति की ओर से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संचालित स्केटिंग प्रशिक्षण शिविरों में नियमित अभ्यास करते हैं। उन्हें ट्रेनर चरण सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

रुद्रांश की इस कामयाबी से उनके कोच, माता-पिता और स्कूल में खुशी की लहर है।

साफ पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए नोएडा प्राधिकरण दो नए रैनीवेल बनाएगा

नोएडा। शहर में मीठे और साफ पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए नोएडा प्राधिकरण दो नए रैनीवेल बनाएगा। ये रैनीवेल सेक्टर-135 और सेक्टर-132 में यमुना नदी के किनारे बनाए जाएंगे। दोनों की क्षमता 17-17 एमएलडी होगी। यानी इनसे रोजाना कुल 34 एमएलडी पानी की सप्लाई हो सकेगी। परियोजना पर करीब 45 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

इन रैनीवेल से लोगों को करीब 300 से 400 टीडीएस वाला पानी उपलब्ध कराने की योजना है। प्राधिकरण का कहना है कि गंग नहर की सफाई या किसी तकनीकी खराबी के कारण गंगाजल की सप्लाई बंद होने पर रैनीवेल शहर की पानी की जरूरत पूरी करने में मदद करेंगे।

नोएडा में रोजाना पानी की मांग 450 एमएलडी से अधिक है। शहर को करीब 100 क्यूसेक यानी 240 एमएलडी गंगाजल की सप्लाई मिलती है। इसके अलावा करीब 110 एमएलडी पानी नलकूपों और 100 एमएलडी पानी रैनीवेल के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा है। नोएडा में गंगाजल की सप्लाई गाजियाबाद के प्रताप विहार और सिद्धार्थ विहार स्थित प्लांटों से होती है। यहां से क्रमशः 80 और 20 क्यूसेक पानी की सप्लाई नोएडा पहुंचती है।

अभी 8 रैनीवेल सक्रिय, 3 और जल्द शुरू होंगे जीएम जल आरपी सिंह ने बताया कि नोएडा में अभी 8 रैनीवेल सक्रिय हैं। जिनसे रोजाना करीब 100 एमएलडी पानी की सप्लाई हो रही है। तीन अन्य रैनीवेल जल्द ही शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा सेक्टर-132 और 135 में दो नए रैनीवेल बनाए जा रहे हैं।

संरक्षकः संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादकः रिजवान सैफ खान

सह सपांदकः मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादकः राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

चोटपुर कॉलोनी में भव्य हिंदू चौपाल का आयोजन

स्वामी दीपांकर ने दिया हिंदू एकता और सामाजिक समरसता का संदेश



नोएडा। चोटपुर कॉलोनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में 1 नवंबर 2026 को एक भव्य हिंदू चौपाल एवं भिक्षा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में स्वामी दीपांकर महाराज उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में साध्वी प्रज्ञा भारती एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासियों एवं सनातन धर्म के अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी दीपांकर महाराज ने हिंदू समाज से एकजुट होने, जातिगत भेदभाव और आपसी दूरियों को समाप्त करने तथा सनातन संस्कृति एवं संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। महाराज जी ने हिंदू समाज से भिक्षा के रूप में एक संकल्प मांगा और कहा कि "जाति-पाँत की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई।"

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संस्कार, संस्कृति और आपसी धर्म, संस्कृति, परंपराओं और सनातन मूल्यों से जोड़ना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व कर सकें।मुख्य अतिथि साध्वी हुए कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी